धनबाद, शनिवार
30 मई 2026
वर्ष : 03 अंक : 239
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

फैसलों में देरी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त हाईकोर्ट को 3 महीने की समय-सीमा

नई दिल्ली (एजेंसी) : सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के हाईकोर्ट और निचली अदालतों में फैसलों में होने वाली देरी पर कड़ा रुख दिखाया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने न्यायपालिका की मूल जिम्मेदारी बताकर लंबित मामलों को अनिश्चितकाल तक रोकने को अस्वीकार्य किया है। सुप्रीम कोर्ट ने समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण और बाध्यकारी निर्देश जारी किए हैं। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का प्रयोग कर शीर्ष अदालत ने सभी हाईकोर्ट को लंबित मामलों में अधिकतम 3 महीने के अंदर निर्णय सुनाने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि फैसले के मुख्य हिस्से को सुनाने की तिथि ही निर्णय की आधिकारिक तिथि मानी जाएगी। शीर्ष अदालत ने जोर दिया कि हाईकोर्ट देश की प्राथमिक न्यायिक संस्थाएं हैं, जहां लाखों लोग न्याय की उम्मीद से पहुंचते हैं, इसके बाद समय पर निर्णय न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है **शेष पृष्ठ-4....**

सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद दिल्ली में बैठकों का दौर शुरू

बेंगलुरु(एजेंसी) : कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर राजनीतिक सरगर्मी काफी बढ़ गई है। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद सिद्धारमैया शुक्रवार को दिल्ली पहुंच गए हैं, जहां कांग्रेस आलाकमान के साथ उनकी एक बेहद महत्वपूर्ण बैठक है। खराब मौसम के कारण उनका विमान पहले जयपुर डायवर्ट किया गया था, जिसके बाद वे दिल्ली पहुंचे। राज्यपाल थावर चंद गहलोत उनका इस्तीफा पहले ही स्वीकार कर चुके हैं और नई व्यवस्था होने तक उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने को कहा गया है। इसी बीच राज्य के प्रमुख नेता डीके शिवकुमार भी दिल्ली पहुंच चुके हैं, जिससे कांग्रेस के भीतर नए नेतृत्व और सत्ता के बदलाव को लेकर चचाएं और तेज हो गई हैं।सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में सिद्धारमैया, रणदीप सिंह सुरजेवाला और केसी वेणुगोपाल की राहुल गांधी के साथ अहम मुलाकात होने जा रही है। इसके साथ ही डीके शिवकुमार भी कांग्रेस हाईकमान से मिलेंगे, हालांकि उनकी बैठक का समय अभी पूरी तरह तय नहीं हुआ है। **शेष पृष्ठ-4....**

1 या 3 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं डीके शिवकुमार

बेंगलुरु(एजेंसी) : कर्नाटक में लंबे समय से चली आ रही लीडरशिप की खींचतान पर आखिरकार विराम लग ही गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद अब डीके शिवकुमार राज्य के सीएम बनने जा रहे हैं। सूत्रों ने संकेत दिया कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के अगले मुख्यमंत्री के तौर पर 1 जून या 3 जून को शपथ लेने की संभावना है। सिद्धारमैया ने अपने उपमुख्यमंत्री का समर्थन किया है ताकि वे उनके उत्तराधिकारी बन सकें, और उन्होंने सभी से उनका समर्थन करने का आग्रह किया है। उन्होंने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों और विधायकों के साथ हुई एक बैठक के दौरान यह घोषणा की थी।इस्तीफा देने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि पार्टी आलाकमान ने उनसे पद छोड़ने के लिए कहा था और उनके लिए राज्य का हित सर्वोपरि है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पहले भी कई मौकों पर इस्तीफा देने की पेशकश की थी। सिद्धारमैया ने यह भी बताया कि उन्हें राज्यसभा की सीट की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की जनता ने उन्हें पाँच साल के लिए चुना है और वे राज्य में रहकर ही उनकी सेवा करते रहेंगे।

नदी और अन्य जलस्रोत क्षेत्रों से हटवायें अतिक्रमण : मुख्यमंत्री

रांची, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि शहरों से गुजरने वाली सभी नदियों, तालाबों, डैमों, नालियों या अन्य जलस्रोतों पर बनी अवैध संरचनाओं एवं अन्य निर्माण कार्यों को तत्काल बंद कराएं। साथ ही पूर्व से बनीं अवैध संरचनाओं से अतिक्रमण मुक्त कराएं। अतिक्रमण कर जो घर बनाएं गए हैं, उनका तत्काल गहन सर्वे कराएं। उन्होंने सभी शहरी निकायों में स्थित नदी या अन्य जलस्रोतों में हुए अवैध निर्माण को चिन्हित करते हुए लिखित नोटिस करने, अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने एवं अतिक्रमण कर निर्मित अवैध संरचनाओं को ध्वस्त करने की कार्रवाई युद्ध स्तर पर कराने का निर्देश दिया।सोरेन शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में नगर विकास एवं आवास विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नदी किनारे और अन्य जलस्रोतों पर अतिक्रमण

कर घर बनाना पर्यावरण और जल निकासी के लिए गंभीर खतरा है। इस तरह के कार्य क्षमा योग्य नहीं है, ऐसे कार्य करने वाले लोगों पर कड़ी कानूनी-कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नगर विकास एवं आवास विभाग की योजनाओं का लाभ आमलोगों को समय पर मिले। नगर विकास विभाग का उद्देश्य सड़क निर्माण, आधारभूत संरचनाओं एवं भवनों का निर्माण के साथ-साथ आम जनता के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है। ऐसे में विकासात्मक योजनाओं के ससमय कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान रखा जाए।मुख्यमंत्री ने स्मार्ट सिटी परियोजना, नगर निगम अंतर्गत आधारभूत संरचना, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, पेयजल आपूर्ति, यातायात प्रबंधन और कूड़ा निस्तारण आदि नगरीय व्यवस्था को प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि रांची स्मार्ट सिटी परियोजना को गति देने के लिए भूमि अधिग्रहण कार्यों को प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी विकास की सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ राजस्व संग्रहण के संसाधनों पर विशेष कार्य करें। मुख्यमंत्री ने शहरी नागरिक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने जनहित से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देने की बात कही। बैठक में मंत्री नगर विकास एवं आवास विभाग सुदिव्य कुमार भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने राज्य के राजधानी रांची में स्थित कांके डैम के संरक्षण के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाते हुए कार्य योजना तैयार करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने डैम एरिया में सीधे गिरने वाले नालों को तत्काल बंद कराने, डैम के कैचमेंट एरिया की जल्द मापी कराकर, उसकी घेराबंदी कराने का निर्देश दिया, ताकि डैम का पानी स्वच्छ, सुरक्षित और संरक्षित बना रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आसपास के लोगों को भी जागरूक करते हुए, यह सुनिश्चित कराया जाए कि वे घरों से निकलने वाले गंदे पानी को डैम में नहीं जाने दें।

मानसून 7 दिन बाद केरलम पहुंचेगा, इस बार सामान्य से कम बारिश का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी) : देश में मानसून की एंट्री लेट हो गई है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि श्रीलंका के ऊपर कम दबाव वाली तूफानी हवाओं के चलते केरलम तट से 30-35 किमी दूर 5 दिन से अटका है और अगले 2-3 दिन इसके आगे बढ़ने के आसार नहीं हैं। केरलम के तट पर मानसून पहुंचने की सामान्य तारीख 1 जून मानी जाती है। इससे पहले मौसम विभाग ने 26 मई तक ही मानसून आने का अनुमान जताया था। इस तरह पिछले अनुमान से मानसून करीब 10 दिन बाद देश में एंट्री करेगा।मौसम विभाग के मुताबिक जून-जुलाई में भी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, गुजरात और आंध्र प्रदेश में हीटवेव चलने की संभावना है। आमतौर पर उस वक्त तापमान 30-35 डिग्री तक रहता है। इस बार 3 डिग्री ज्यादा टेंपरेचर रहेगा।

मौसम विभाग ने बताया कि इस साल देश में औसतन 78 सेंटीमीटर बारिश का अनुमान है। जो सामान्य से करीब 10 प्रतिशत कम है। 13 अप्रैल को 80 सेंटीमीटर बारिश का अनुमान लगाया गया था। 1971-2020 के आंकड़ों के आधार पर देश में औसत बारिश 87 सेंटीमीटर मानी जाती है। मौसम विभाग ने बताया कि जून में मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड में सामान्य से भी कम बारिश होगी। वहीं महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों में सामान्य बारिश का अनुमान है।

मौसम विभाग ने बताया कि इस साल मानसून के कोर जोन में कम बारिश होगी। इस इलाके में खेती सबसे ज्यादा मानसूनी बारिश पर निर्भर करती है। यानी बारिश का सीधा असर फसलों और खाद्य उत्पादन पर पड़ता है। मानसून कोर जोन में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र का विदर्भ, झारखंड, ओडिशा, तेलंगाना, कुछ हिस्से उत्तर प्रदेश और बिहार के इलाके आते हैं। यहां खेती पर असर पड़ने से किसानों को सीधा नुकसान होगा।

आईएमडी ने चेतावनी दी है कि जून के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, गुजरात और आंध्र प्रदेश में सामान्य से ज्यादा लू वाले दिन देखने को मिल सकते हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी हीटवेव का प्रभाव बढ़ने की संभावना है। हालांकि राजस्थान और झारखंड में सामान्य से कम लू पड़ने का अनुमान जताया गया है।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: पीएम मोदी

पीएम मोदी खुद कर रहे मामले की निगरानी

नई दिल्ली (एजेंसी) : देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (नीट) में सामने आई गंभीर अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को कड़ी फटकार लगा दी है। शीर्ष अदालत ने दो टूक कहा कि यह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ है और लाखों छात्रों व उनके परिवारों के लिए पूरा मामला बेहद दर्दनाक और परेशान करने वाला है। सुप्रीम कोर्ट ने चिंता व्यक्त कर कहा कि छात्र अपनी युवावस्था के सबसे महत्वपूर्ण साल, अपना समय, पैसा और भावनाएं परीक्षा में लगाते हैं। इसके बाद में, यदि हर साल परीक्षा की विश्वसनीयता और शुचिता पर सवाल उठते हैं, तब यह पूरे शिक्षा तंत्र पर एक बड़ा दाग है। इस बीच, केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को भरोसा दिलाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद इस पूरे विवाद पर निगरानी रख रहे हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित होगी।

इस गंभीर स्थिति के बीच, फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (फाइमा) और यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट (यूडीएफ) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर एनटीए को भंग करने या उसके पूरे ढांचे में आमूल-चूल परिवर्तन की मांग की है। याचिकाकताओं ने भविष्य में मेडिकल प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र और विश्वसनीय संस्था के गठन की वकालत की, ताकि छात्रों का खोया हुआ विश्वास बहाल हो सके।

मामले की सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एनटीए और पूर्व इसरो प्रमुख डॉ. के. राधाकृष्णन से सीधे सवाल पूछा कि आखिर बार-बार पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ियां क्यों हो रही हैं। शीर्ष अदालत ने एनटीए के पिछले दावों पर सवाल उठाकर कहा, आपने कहा था कि मजबूत और सुरक्षित व्यवस्था बनेगी।

फिर हर बार ऐसी घटनाएं कैसे हो रही हैं? कोर्ट ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि या समिति की सिफारिशें नाकाम साबित हुई हैं या फिर उन्हें सही तरीके से लागू नहीं किया गया।

आंधी-तूफान में भरभराकर गिरा निमार्णाधीन पुल, 6 मजदूरों की मौत

हमीरपुर(एजेंसी) : उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में देर रात आए तेज आंधी-तूफान के कारण बेतवा नदी पर बन रहे एक बड़े निमार्णाधीन पुल का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। ललपुरा क्षेत्र के मोराकांडर और परसनी (कुरारा इलाका) को आपस में जोड़ने के लिए बनाए जा रहे इस 900 मीटर लंबे पुल के ढहने से एक बड़ा हादसा हो गया है। इस दर्दनाक दुर्घटना में अब तक 6 मजदूरों की मलबे में दबकर मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य मजदूरों के अभी भी मलबे में फंसे होने की आशंका है।

जानकारी के अनुसार, रात करीब 2 से 3 बजे के बीच अचानक क्षेत्र में मौसम खराब हो गया और तेज आंधी-तूफान शुरू हो गया। इसी दौरान निमार्णाधीन पुल की एक अत्यंत भारी-भरकम कंक्रीट स्लैब अचानक ढह गई। स्लैब के नीचे वहां काम कर रहे और विश्राम कर रहे मजदूर दब गए। हादसे की भयावहता को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि मलबे से और शव बरामद होने के बाद मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय

प्रशासन, पुलिस बल और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार वर्मा के नेतृत्व में रात में ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। मलबे को हटाने और उसमें फंसे जीवित लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए भारी मशीनरी का उपयोग किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, प्राथमिकता मलबे में दबे सभी लोगों को जल्द से जल्द बाहर निकालने की है।

मुख्यमंत्री योगी ने दिए राहत के निर्देश

सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हमीरपुर हादसे पर गहरा दुख प्रकट करते हुए मामले का तत्काल संज्ञान लिया है। उन्होंने दुर्घटना में जान गंवाने वाले दिवंगत मजदूरों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से मौके पर उपस्थित रहकर राहत और बचाव कार्य की निगरानी करने के सख्त निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही, उन्होंने घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता देने और नियमानुसार उचित मुआवजा प्रदान करने के निर्देश जारी किए हैं।

उच्च स्तरीय जांच की मांग इस हादसे के बाद राज्य में राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के नेताओं ने घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। विपक्ष द्वारा सरकार पर लापरवाही और कमीशनखोरी का आरोप लगाते हुए मांग की गई है कि इस निर्माण कार्य की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराई जाए। इसके साथ ही पीड़ित गरीब परिवारों के लिए 2-2 करोड़ रुपये की विशेष आर्थिक सहायता राशि मुहैया कराने की मांग उठाई गई है।

महाराष्ट्र में जहरीली शराब से 15 की मौत, 8 आरोपी गिरफ्तार

पुणे (एजेंसी) : महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ इलाकों में जहरीली शराब पीने से करीब 15 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से बीमार बताए जा रहे हैं। इस भयावह घटना के बाद राज्य और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले पर संज्ञान लेकर 8 संदिग्ध आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि कर बताया है कि पूरे अवैध शराब के इकोसिस्टम का पता लग गया है, जिस पर आगे कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

यह चौंकाने वाली घटना पुणे के काले पड़ल, हडपसर और पिंपरी-चिंचवाड़ के दापोडी, फुगेवाड़ी जैसे इलाकों से सामने आई है, जहां लोगों ने अवैध रूप से निर्मित जहरीली शराब का सेवन किया। जानकारी के अनुसार, जहरीली शराब का सेवन करने वाले लोगों की हालत अचानक बिगड़ी, उनके मुंह से झाग निकलने लगा और इलाज मिलने से पहले ही कई लोगों ने दम तोड़ दिया। पिंपरी-चिंचवाड़ के दापोडी और फुगेवाड़ी में आठ, जबकि पुणे के काले पड़ल में तीन और हडपसर में दो लोगों की मौत हुई।प्रारंभिक जांच में सामने

आया है कि इस अवैध और स्पिरट-युक्त शराब को योगेश वानखेड़े नामक व्यक्ति ने तैयार किया था, इस जहरीली शराब को पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ के विभिन्न इलाकों में बेचा गया था। वानखेड़े कथित तौर पर अवैध शराब कारोबार से जुड़ा है और उसके खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी योगेश वानखेड़े का गिरफ्तार किया है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि मामले में अभी तक 8 संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और पूरे अवैध शराब के इकोसिस्टम का पता लग गया है, इसके बाद इस पूरे इकोसिस्टम की कमर तोड़ दी जाएगी। पिंपरी चिंचवाड़ पुलिस के डीसीपी संदीप अटोले ने पुष्टि की है कि सात लोगों की मौत हुई है और तीन घायल अस्पताल में उपचाराधीन हैं, जबकि आठ आरोपियों से पूछताछ जारी है।

लोकल नागरिकों में फुगेवाड़ी जैसे इलाकों में अवैध हाथभट्टी और देशी शराब के अड्डों के धड़ल्ले से चलने को लेकर भारी आक्रोश है। हालांकि, शुरूआत में दापोडी पुलिस ने जहरीली शराब से हुई मौतों की बात को अफवाह बताकर दावा किया था कि ये सभी मौतें अलग-अलग और स्वतंत्र कारणों से हुई हैं। यह बयान पुलिस की जांच पर सवाल खड़े करता है, खासकर तब जब मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्वयं इकोसिस्टम की पहचान और गिरफ्तारी की बात कही है।

उपराष्ट्रपति ने आर्ट ऑफ लिविंग के 45 वर्ष पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट का किया अनावरण

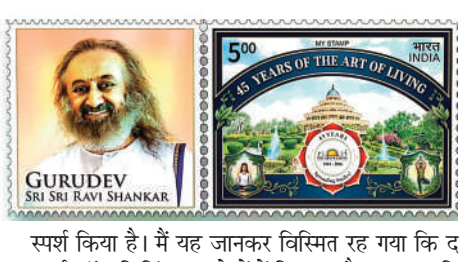

नई दिल्ली(एजेंसी) : भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज द आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में युवा विकास, उद्यमिता, स्थिरता, चेतना अध्ययन और शिक्षा से जुड़ी पांच प्रमुख राष्ट्रीय पहलों का शुभारंभ किया। यह आयोजन ऐसे समय में हुआ है जब इस संस्था ने मानवीय सेवा के 45 वर्ष में प्रवेश किया हैं और इसी माह 70 वर्ष के हुए गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर के शांति, कल्याण एवं मानवीय मूल्यों के प्रति उनके जीवनपर्यंत योगदान को रेखांकित किया गया है। उपराष्ट्रपति ने अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ एक स्मारक डाक टिकट का भी अनावरण किया, जो व्यक्तिगत कल्याण, सामाजिक परिवर्तन और वैश्विक शांति में द आर्ट ऑफ लिविंग के 45 वर्षों के योगदान का प्रतीक है।सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर द्वारा स्थापित इस आंदोलन की असाधारण वैश्विक पहुंच पर विचार व्यक्त किए।उन्होंने कहा, आज उस महान दूरदर्शिता का उत्सव है जिसने विभिन्न महाद्वीपों में करोड़ों जीवनों को स्पर्श किया है। मैं यह जानकर विस्मित रह गया कि द आर्ट ऑफ लिविंग 182 देशों में विद्यमान है। मानव जाति की लगभग संपूर्ण सभ्यता इस आंदोलन के माध्यम से परस्पर जुड़ रही है।गुरुदेव की सरलता और उनके प्रभाव की प्रशंसा करते हुए श्री राधाकृष्णन ने टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी मुस्कान, उनकी विनम्रता और उनका स्नेह प्रत्येक व्यक्ति के हृदय को छू लेता है। जो बात उनके योगदान को असाधारण बनाती है, वह उनके भीतर समाहित विनम्रता और मानवता है।गुरुदेव ने कहा, आज विश्व ने स्वीकार कर लिया है कि ध्यान अब कोई विलासिता नहीं है। विश्व ध्यान दिवस घोषित करने के लिए 192 देशों के एक साथ आने से यह समझ सुदृढ़ हुई है कि एक स्वस्थ, सुखी और तनावमुक्त जीवन के लिए ध्यान एक मूलभूत आवश्यकता है।इस उत्सव में सम्मिलित होने वाली प्रतिष्ठित विभूतियों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, माननीय केंद्रीय मंत्री नीतिन गडकरी और सबानंद सोनोवाल, माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस,एन. चंद्रबाबू नायडू औ प्रमोद सावंत, राज्यपाल अजय कुमार भल्ला और लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, अभिनेता रजनीकांत, अभिनेता विक्रांत मैसी, उद्योगपति मुकेश अंबानी, अनंत अंबानी और निरंजन हिरानंदानी के साथ-साथ प्रमुख आध्यात्मिक गुरु, कलाकार, राजनयिक और विद्वान उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

वीबीएमकेयू के छात्रों ने जाना आधुनिक मत्स्य पालन का मॉडल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर जंतु विज्ञान विभाग के छात्रों का 15 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हो गया।इस दौरान छात्रों ने झारखंड में मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीकों और रोजगार की संभावनाओं का व्यावहारिक अध्ययन किया। 35 छात्रों के दल ने मत्स्य निदेशालय के उप निदेशक संजय कुमार गुप्ता तथा सेवानिवृत्त संयुक्त मत्स्य निदेशक मनोज कुमार के निर्देशन में राज्य में संचालित विभिन्न मत्स्य पालन गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान छात्रों ने पतरातु डैम का भी दौरा किया। शैक्षणिक भ्रमण में छात्रों को केज कल्चर, खदानों में जमा पानी में मत्स्य पालन, एक्वाकल्चर सिस्टम, रिसकुर्लेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस) तथा बायोफ्लॉक तकनीक के माध्यम से मछली उत्पादन की जानकारी दी गयी।विशेषज्ञों ने बताया कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग से कम संसाधनों में अधिक उत्पादन संभव है और इससे युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं।भ्रमण कार्यक्रम के समापन पर सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक मनोज कुमार और उप निदेशक संजय कुमार गुप्ता ने सभी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर छात्रों ने कहा कि झारखंड में मत्स्य पालन रोजगार का सशक्त माध्यम बन सकता है और आधुनिक प्रशिक्षण से युवाओं को रोजगार का नया विकल्प मिलेगा। कार्यक्रम की जानकारी मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र, शालीमार धुर्वा के मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक ने दी।

सरायकेला के कुचाई में प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य विषय पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के कुचाई प्रखंड स्थित पुनीबुड़ी गांव में प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य विषय पर शुक्रवार को स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।ग्रामीण क्षेत्र के महिलाओं एवं किशोरियों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी।साथ ही मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सनमत संस्थान की ओर से संचालित कल्याण अस्पताल स्वास्थ्य कर्मी कार्तिक कुमार दास ने ग्रामीणों को प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।उन्होंने गर्भावस्था के दौरान उचित देखभाल, नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, टीकाकरण, सुरक्षित प्रसव, नवजात शिशु की देखभाल तथा परिवार नियोजन के महत्व पर प्रकाश डाला. साथ ही महिलाओं एवं बच्चों में होने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं एवं उनके बचाव के उपायों के बारे में भी जानकारी साझा की। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी पुछे गये सवालों का सरल एवं प्रभावी तरीके से जबाव दिया गया।इस जागरूकता कार्यक्रम से ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। मालूम हो कि नाबार्ड के वित्तपोषित वाड़ी परियोजना के तहत विकास भारती संस्थान द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उपायुक्त ने जनता मिलन कार्यक्रम में सुनीं आमजनों की समस्याएं

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों ने अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा।जनता मिलन के दौरान भूमि निबंधन, आवास योजना, नियोजन, पथ निर्माण, पेयजल, सौर चालित सिंचाई योजना सहित अन्य जनसमस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने एक-एक कर सभी आगंतुकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक जांच कर त्वरित एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

गांव में क्रिकेट खेल देख रहे युवक की वज्रपात से मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के बाबुडीह पंचायत अंतर्गत बाबुडीह गांव निवासी 21 वर्षीय अमित कुमार महतो की शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे वज्रपात की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक के पिता का नाम भुवन चंद्र महतो बताया गया है।जानकारी के अनुसार गांव के अंतिम छोर स्थित मैदान में कुछ बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। अमित कुमार महतो मैदान के पास खड़ा होकर मैच देख रहा था। इसी दौरान अचानक बूंदाबांदी शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए वह पास के एक पेड़ के नीचे चला गया।तभी तेज गर्जना के साथ बिजली गिरी और वह वज्रपात की चपेट में आ गया जिससे युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य एवं गांव के लोग मौके पर पहुंच गए। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाने की तैयारी की गई,लेकिन उससे पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पिंड्राजोरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।माता-पिता समेत परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पिंड्राजोरा थाना पहुंचे एसपी, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का दिया निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : बोकारो पुलिस अधीक्षक नाथु सिंह मीणा ने शुक्रवार को पिंड्राजोरा थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए उन्हें जल्द से जल्द निष्पादित करने का निर्देश दिया।एसपी ने थाना प्रभारी रवि कुमार को क्षेत्र में बढ़ते अपराध पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने को कहा।उन्होंने चेकनाका एवं नियमित गश्ती व्यवस्था को मजबूत करने तथा आम जनता के साथ पुलिसकर्मियों को बेहतर और कुशल व्यवहार रखने पर विशेष जोर दिया।एसपी ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा अधिनियम को सख्ती से लागू करने का निर्देश देते हुए वाहन चेकिंग लगाने का निर्देश दिया।साथ ही शराब पीकर बाइक चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई करने को कहा। निरीक्षण के दौरान थाना के अभिलेखों, सुरक्षा व्यवस्था एवं पुलिस कार्यशैली की भी जांच की गई।

मत्स्य उत्पादन की व्यापक संभावना, पर तकनीकी दक्षता में कमी झारखंड के प्रमुख जलाशयों में मत्स्य शिकार तकनीकों का सर्वेक्षण संपन्न

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड के प्रमुख जलाशयों में मत्स्य शिकार की वर्तमान स्थिति और आधुनिक मत्स्य तकनीकों की संभावनाओं का आकलन करने के लिए विशेष क्षेत्रीय सर्वेक्षण किया गया।यह सर्वेक्षण भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की संस्था केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआइएफटी), मुंबई अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ श्रवण कुमार शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ।सर्वेक्षण के दौरान गेतलसूद, तेनुघाट, कांके, हटिया, मैथन और पंचेत जलाशयों का भ्रमण कर वहां उपलब्ध मत्स्य संसाधनों, मछली पकड़ने की पारंपरिक पद्धतियों, उपयोग में लाये जा रहे जालों, नावों तथा मछुआरों की समस्याओं का अध्ययन किया गया। टीम ने स्थानीय मछुआरों, मत्स्य सहकारी समितियों और अन्य हितधारकों से बातचीत

की।जलाशय आधारित मत्स्यिकी की व्यावहारिक चुनौतियों और संभावित तकनीकी समाधानों की जानकारी भी जुटायी।सर्वेक्षण में पाया गया कि झारखंड के जलाशयों में मत्स्य उत्पादन की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं, लेकिन वैज्ञानिक मत्स्य शिकार तकनीकों, आधुनिक एवं चयनात्मक जालों, सुरक्षित और ऊर्जा दक्ष नावों तथा प्रशिक्षण की कमी बड़ी चुनौती है। जलाशयों की भौगोलिक स्थिति और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार क्षेत्र विशेष की तकनीकों को अपनाने की जरूरत महसूस की गयी। सर्वेक्षण के आधार पर राज्य के मछुआरों के लिए उन्नत मत्स्य प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की योजना बनायी जा रही है।इसके तहत वैज्ञानिक तरीके से मछली पकड़ने की तकनीक, आधुनिक जालों का उपयोग, जलाशय मत्स्यिकी के लिए उपयुक्त नाव संचालन, सौर एवं विद्युत ऊर्जा आधारित नावों की जानकारी, सुरक्षा उपाय तथा मत्स्य संसाधनों के सतत उपयोग पर विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा।

भविष्य में चयनित जलाशयों में आधुनिक मत्स्य जालों, उन्नत मत्स्य शिकार तकनीकों तथा सौर एवं विद्युत ऊर्जा आधारित नावों का प्रदर्शन और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू करने का प्रस्ताव है। इससे मछुआरों की आय बढ़ाने, ईंधन खर्च कम करने, मत्स्य शिकार की दक्षता सुधारने और जलाशय मत्स्यिकी को पर्यावरण अनुकूल बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मत्स्य निदेशक अमरेन्द्र कुमार ने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों, उपयुक्त प्रशिक्षण और आधुनिक उपकरणों के माध्यम से झारखंड में मत्स्य उत्पादन और मछुआरों की आजीविका में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है।उन्होंने कहा कि स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सीआइएफटी द्वारा आधुनिक मत्स्य प्रौद्योगिकी के प्रसार और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया जायेगा।डॉ श्रवण शर्मा ने कहा कि यह सर्वेक्षण झारखंड में जलाशय आधारित मत्स्यिकी के विकास, मछुआरों की क्षमता निर्माण तथा स्वच्छ, ऊर्जा दक्ष और टिकाऊ मत्स्य शिकार प्रणाली को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

अनियंत्रित बॉक्साइट ट्रक घर में घुसा, अधेड़ की मौत,डेढ़ घंटे तक जाम रहा घाघरा-नेतरहाट मुख्य मार्ग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला अंतर्गत बिशुनपुर थाना के रेहेटोली गांव में शुक्रवार की दोपहर एक अनियंत्रित बॉक्साइट ट्रक सड़क किनारे स्थित घर में जा घुसा। हादसे में घर के बाहर बैठे गांव निवासी 58 वर्षीय टेपना महली की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर घाघरा-नेतरहाट मुख्य मार्ग को करीब डेढ़ घंटे तक जाम कर दिया। जानकारी के अनुसार, बॉक्साइट लदा ट्रक घाघरा की ओर से बिशुनपुर आ रहा था। इसी दौरान रेहे टोली गांव के समीप ट्रक ने एक स्कूटी सवार को हल्की टक्कर मार दी। इसके बाद चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ट्रक सड़क किनारे स्थित बिजली के पोल से जा टकराया। ट्रक की रफ्तार इतनी तेज थी कि बिजली का खंभा टूट गया और ट्रक सीधे सड़क किनारे स्थित घर में जा घुसा।घटना के दौरान घर के बाहर बैठे टेपना महली ट्रक की चपेट में आ गये, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। बताया जाता है कि हादसे के समय आसपास कई बच्चे भी खेल रहे थे। ट्रक को अनियंत्रित होते देख बच्चे भागकर

अपनी जान बचाने में सफल रहे, जिससे एक बड़ी घटना टल गयी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गये और मुआवजा तथा सड़क पर बेकर निर्माण की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलने पर बिशुनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण तत्काल मुआवजा देने की मांग पर अड़े रहे। इधर, प्रभारी अंचलाधिकारी सुशील खाखा को घटना की जानकारी दी गयी। सूचना मिलने पर वे घाघरा से बिशुनपुर पहुंचे और सरकार की ओर से मिलने वाली सहायता राशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। वहीं बिशुनपुर पुलिस द्वारा पीड़ित परिजनों को तत्काल 10 हजार रुपये की सहायता राशि दी गयी। इसके बाद शाम करीब चार बजे जाम समाप्त हुआ और परिजन शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने पर सहमत हुए।सड़क जाम के कारण घाघरा-नेतरहाट मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गयी। सड़क के दोनों ओर बॉक्साइट ट्रक, निजी वाहन एवं यात्री बसें फंसी रहीं। उमस भरी गर्मी के कारण राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इधर, पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेकर थाना लाया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कार्यकर्तागण संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाए: प्रदीप वर्मा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

साहिबगंज : भारतीय जनता पार्टी जिला साहिबगंज द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के समापन दिवस शुक्रवार को जिला अध्यक्ष गौतम यादव की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम में जिले के विभिन्न मंडलों से आए कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.प्रशिक्षण अभियान का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना कार्यकताओं में वैचारिक स्पष्टता लाना तथा संगठनात्मक कार्यशैली को और अधिक प्रभावी बनाना रहा।कार्यक्रम के अंतिम एवं समापन सत्र में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने पार्टी का इतिहास और विकास विषय पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए संगठन की गौरवशाली यात्रा, विचारधारा एवं राष्ट्र निर्माण में भारतीय जनता पार्टी की भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।उन्होंने कार्यकताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। प्रथम सत्र में गोड्डा के पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित मंडल ने सोशल मीडिया एवं नमो ऐप, सरल ऐपह्न विषय पर कार्यकताओं को विस्तृत जानकारी दी।द्वितीय सत्र में पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव ने मोदी सरकार की गरीब कल्याण योजनाएं विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।तृतीय सत्र में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद डॉ यदुनाथ पाण्डेय ने देश के सम्मुख चुनौती एवं निदान के हमारे प्रयास विषय पर कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया।चतुर्थ सत्र में पूर्व विधायक अशोक भगत ने राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य एवं 2027 पंचायत चुनाव में हमारी भूमिका विषय पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। पंचम सत्र में संजय पटेल द्वारा क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में पूर्व भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राजमहल के पूर्व विधायक अनंत ओझा, भाजपा प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो, गणेश प्रसाद तिवारी, पूर्व जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल, प्रदीप अग्रवाल, रणधीर सिंह सहित कई वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में प्रभारी बबलू भगत, संयोजक कुसमाकर तिवारी, सह-संयोजक राजेश मंडल एवं मंच संचालक कृपानाथ मंडल उर्फ बमबम मंडल जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर जिला महामंत्री धनंजय मंडल , सलखु सोरेन,सोनेलाल ठाकुर,खगेन्द्र साह , रमिता तिवारी , चौकीदार हासदा ,गरिमा साह , रामानंद साह ,दिनेश पांडे ,सुनील सिंह , धर्मेंद्र ठाकुर , चांदनी देवी , सागर मंडल , अजय चौधरी , दीपक चंद्रवंशी,शेखर बर्मन,चिरंजीव सरकार, पिंटू घोष,मनोज ठाकुर, उदय मंडल,चंदन श्रीवास्तव ,कुणाल मंडल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रेलकर्मी के घर में निकला कोबरा,स्नेक कैचर ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला खरसावां जिला के सरायकेला प्रखंड अंतर्गत सीनी-सिदमा गांव में रेल कर्मचारी शिवचरण महतो के घर में एक सांप निकला।घर वालों ने तुरंत इसकी सूचना स्नेक कैचर राजा बारीक को दी।सूचना पर पहुंचे स्नेक कैचर ने सांप का रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया.घटना बुधवार की रात करीब 8:30 बजे की है।मिली जानकारी के अनुसार, सीनी-सिदमा गांव के रेल कर्मचारी शिव चरण महतो के आवास में बुधवार रात एक बड़ा सांप दिखा।सांप को देखकर परिवार में दहशत का माहौल बन गया.तुरंत इसकी सूचना स्नेक कैचर राजा बारीक को देकर बुलाया गया।

राजा बारीक मौके पर पहुंचे और प्रोफेशनल तरीके से करीब 5 फीट लंबे कोबरा सांप को सुरक्षित रेस्क्यू किया।इसके बाद सांप को सुरक्षित रूप से गांव से दूर जंगल में छोड़ दिया गया।राजा बारीक ने बताया कि अत्यधिक गर्मी से और बरसात के मौसम में सांप अपने बिल से बाहर निकलते हैं।कोबरा का सबसे प्रिय भोजन चूहा होता है। गर्मी से बौखलाए सांप भोजन की तलाश में अकसर घर में घुस जाते हैं।उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में सांप के बिल में पानी भर जाता है।ऐसे समय में सांप सुरक्षित स्थान ढूंढने के क्रम में अकसर घर के अंदर घुस जाते हैं। ऐसे मौसम में सतर्क रहने की आवश्यकता है।सतर्कता नहीं बरतने के कारण ही सर्पदंश के मामले सामने आते हैं।उन्होंने लोगों से अपने घरों में साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की है।साथ ही सांप के दिखने पर उन्हें नुकसान पहुंचाने की जगह इसकी सूचना स्नेक कैचर को देने की बात कही।मौके पर सांप को देखने के लिए दर्जनों लोग इकट्ठा हो गए थे।

नारायणपुर में पीएम आवास योजना की हुई पड़ताल, जनसुनवाई में उठे कई सवाल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जामताड़ा : जामताड़ा प्रखंड अंतर्गत चिन्हित पांच पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) को लेकर पंचायत स्तरीय सामाजिक अंकेक्षण के उपरांत शुक्रवार को नारायणपुर प्रखंड सभागार में प्रखंड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार के निदेर्शानुसार आयोजित इस जनसुनवाई में राज्य सामाजिक अंकेक्षण दल द्वारा बन्दरचुवाँ, बाँकुडीह, बोरवा, बुधुडीह एवं बुटबेरिया पंचायतों में किए गए सामाजिक अंकेक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस दौरान योजना के क्रियान्वयन, लाभुकों की समस्याओं एवं निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं को लेकर कई सवाल उठे, जिस पर अधिकारियों ने संबंधित मामलों की सुनवाई की।कार्यक्रम में जिला

पंचायती राज पदाधिकारी पंकज कुमार रवि, डीआरपी पंचम प्रसाद वर्मा, जिला परिषद सदस्य मालती देवी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी दिवाकर कुमार, जेएसएलपीएस के बीपीएम सूर्यदेव कुमार, एसबीएम के जेई संतोष कुमार महतो, पीएम आवास के प्रखंड समन्वयक शैलेश कुमार, अंकेक्षक बाबू मनी मंडल, बदला फाउंडेशन के शहादत अली समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे।जनसुनवाई के दौरान योजनाओं से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।पूर्व निर्धारित समय पूर्वाह्न 11 बजे से कार्यक्रम शुरू होना था, लेकिन अचानक मौसम खराब होने एवं तेज बारिश शुरू होने के कारण कार्यवाही लगभग एक घंटे विलंब से प्रारंभ हुई।इसके बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागीय कर्मी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।जनसुनवाई के दौरान कई लाभुकों ने आवास निर्माण कार्य में हो रही देरी, भुगतान संबंधी समस्याएं तथा अन्य तकनीकी परेशानियों को अधिकारियों के समक्ष रखा।अधिकारियों ने शिकायतों एवं सुझावों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित मामलों के निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।साथ ही योजना को पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से लागू करने का भरोसा दिलाया गया।

गाद से घट रही पतरातू डैम की जल भंडारण क्षमता, मरम्मत और सफाई की बढ़ी जरूरत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : छह दशक पहले तीन ओर पहाड़ियों से घिरे निर्मित पतरातू डैम आज भी क्षेत्र की जलापूर्ति व्यवस्था का प्रमुख आधार बना हुआ है, लेकिन समय के साथ इसकी जल भंडारण क्षमता पर गाद जमाव का असर पड़ने लगा है। विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों का मानना है कि डैम की नियमित सफाई और गाद निकासी नहीं होने के कारण इसकी उपयोगिता प्रभावित हो रही है।वर्ष 1960-70 के दशक में नलकारी नदी पर बने इस डैम की जल संग्रहण क्षमता 1332 आरएल निर्धारित है। वर्तमान में डैम का जलस्तर 1321 आरएल पर है।बरसात के दिनों में आसपास की पहाड़ियों से बहकर आने वाला पानी अपने साथ बड़ी मात्रा में मिट्टी और अवसाद (गाद) भी लेकर डैम में पहुंचता है।वर्षों से जमा होती इस गाद के कारण डैम की वास्तविक जल भंडारण क्षमता में कमी आने की आशंका जताई जा रही है।जानकारी के अनुसार डैम निर्माण के बाद से इसकी बड़े पैमाने पर सफाई और मरम्मत का कार्य नहीं हो सका है। हालांकि पतरातू ताप विद्युत स्टेशन (पीटीपीएस) के संचालन काल में आवश्यकता के अनुरूप रखरखाव कार्य कराए जाते थे। वर्तमान में पीटीपीएस की शेष परिसंपत्तियों की देखरेख कर रहे अधिकारियों ने डैम की सफाई और मरम्मत के लिए जल संसाधन विभाग को प्रस्ताव भेजा है।पतरातू डैम का निर्माण मूल रूप से पीटीपीएस पावर प्लांट के लिए किया गया था।उसके बाद पीटीपीएस आवासीय क्षेत्र की जलापूर्ति, सिख रेजीमेंट रामगढ़, सीसीएल के बरका-सयाल क्षेत्र समेत जिंदल स्टील, पीवीयूएनएल पावर प्लांट को भी इसी डैम से पानी उपलब्ध कराया जाने लगा।आज भी यह डैम हजारों लोगों की जल जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इधर, लगभग तीन वर्ष पूर्व झारखंड पर्यटन विभाग द्वारा डैम के किनारे लेक रिजॉर्ट का निर्माण कराया गया, जिसके बाद यह क्षेत्र प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में उभरा है।प्रतिदिन हजारों पर्यटक यहां पहुंचते हैं।ऐसे में डैम की सुरक्षा, संरचनात्मक मजबूती और जल भंडारण क्षमता को बनाए रखने के लिए समय पर सफाई, गाद निकासी और मरम्मत कार्य कराना आवश्यक माना जा रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही व्यापक स्तर पर डीसिल्टिंग (गाद निकासी) और मरम्मत का कार्य नहीं कराया गया तो भविष्य में डैम की जल संग्रहण क्षमता और अधिक प्रभावित हो सकती है, जिसका असर जलापूर्ति व्यवस्था पर भी पड़ सकता है।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

बाघमारा सीएचसी की मासिक समीक्षा बैठक में संस्थागत प्रसव पर जोर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाघमारा में शुक्रवार को सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा की अध्यक्षता में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में संस्थागत प्रसव पर जोर दिया गया। सिविल सर्जन ने सभी जरूरी सुविधाएं होने के बावजूद संस्थागत प्रसव (सरकारी अस्पतालों में डिलीवरी) का ग्राफ उम्मीद के मुताबिक न होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने सहिया साथियों को निर्देश दिया कि वे गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पतालों में प्रसव के लिए प्रेरित करें। सिविल सर्जन ने गर्भवती महिलाओं को निजी अस्पतालों में ले जाने वाली सहियाओं को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है। क्षेत्र में ड्यू लिस्ट तैयार कर शत-प्रतिशत बच्चों और गर्भवती महिलाओं का नियमित टीकाकरण करने तथा आरोग्य मंदिरों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने को कहा गया। निर्धारित दैनिक लक्ष्य के अनुसार अधिक से अधिक लोगों का 'आभा कार्ड' बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में जिला डीएस डॉ. संजीव कुमार, डीआरएचओ डॉ. रोहित गौतम, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रीनाथ और बीपीआरओ भावेश कुमार सहित कई स्वास्थ्य पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

तालाब में स्नान करने गई महिला की वज्रपात से मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद जिला के राजगंज थाना क्षेत्र के चुंगी गांव में एक महिला की मौत वज्रपात के चपेट में आने से हो गयी। महिला का नाम सपना देवी है, जो मजदूर धनेश्वर महतो की पत्नी है।बताया जाता है कि महिला गांव के गाढ़ा तालाब स्नान करने आयी थी। इस दौरान तेज बारिश व आंधी चलने लगी। वापस आने के क्रम में बज्रापात हुआ व सपना देवी चपेट में आ गयी। मृतका के पुत्र के अनुसार, मां के घर लौटने में देर होने पर जब वह ढूंढने गया तो उसकी मां मृत अवस्था में पड़ी मिली। शरीर के कपड़े जले हुए थे। पूरा शरीर काला हो गया था। घटना की सूचना बाघमारा सीओ को दी गयी है। कर्मचारी जांच के लिए पहूंचे हैं। इधर राजगंज पुलिस को भी सूचना दी गयी है। मृतका के एक पुत्र व एक पुत्री है।

किशोरियों को दी गई स्वच्छ माहवारी की जानकारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः विश्व माहवारी दिवस के अवसर पर शुक्रवार को स्वाभिमान संस्था के कार्यालय पारजोरिया में किशोरियों के साथ जागरूकता बैठक की गई। बैठक में स्वच्छ माहवारी एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इस अवसर पर स्वच्छता पर चर्चा की गयी। रमा कुमारी ने कहा कि माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखना बेहद जरूरी है। किशोरियों को सेनेटरी पैड के उपयोग के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि यदि किसी कारणवश कपड़े का इस्तेमाल करना पड़े तो साफ कपड़े का ही उपयोग करें तथा उसे गर्म पानी से धोकर धूप में अच्छी तरह सुखाने के बाद ही इस्तेमाल करें। इस दौरान संगीता देवी ने संस्था की ओर से सभी किशोरियों के बीच सेनेटरी पैड वितरित किया और नियमित रूप से इसके उपयोग के लिए प्रेरित किया। संस्था की सचिव सुषमा देवी ने कहा कि माहवारी कोई बीमारी नहीं है, बल्कि यह महिलाओं और किशोरियों की प्राकृतिक प्रक्रिया है। इस दौरान किशोरियों को स्वच्छ भोजन, स्वच्छ पानी एवं पर्याप्त आराम की आवश्यकता होती है। परिवार के सदस्यों को भी इस समय उनका विशेष ध्यान रखना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में भुनेश्वरी देवी ने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मौके पर डोना कुमारी, बबीता महतो, शिवानी कुमारी, सोनी कुमारी, अंजली कुमारी, आशा कुमारी, रानी कुमारी, सीमा कुमारी, छोटी कुमारी, प्रियंका कुमारी समेत कई महिलाएं एवं किशोरियां उपस्थित थीं।

धनबाद रेल मंडल में चला जागरूकता अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद रेल मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के पंद्रहवें दिन धनबाद मंडल में प्लास्टिक प्रदूषण उन्मूलन एवं स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत धनबाद मंडल के वाणिज्यिक विभाग, स्वास्थ्य निरीक्षकों एवं रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीमों द्वारा विभिन्न प्रमुख स्टेशनों पर संचालित खान-पान स्टालों, फूड प्लाजा एवं रिफ्रेशमेंट रूम का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिबंधित सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग पर कड़ी निगरानी रखते हुए सभी स्टाल संचालकों एवं खान-पान ठेकेदारों को केवल पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों के उपयोग के सख्त निर्देश दिए गए। यात्रियों को खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु मिट्टी के कुल्हड़, कागज के कप, बांस एवं लकड़ी से निर्मित चम्मच तथा पत्तलों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है, वहीं सामान वितरण के लिए कपड़े एवं जूट के थैलों के उपयोग पर विशेष बल दिया गया। इसके साथ ही स्वास्थ्य निरीक्षकों एवं तकनीकी टीमों द्वारा विभिन्न स्टेशनों पर स्थापित वाटर एटीएम एवं पेयजल बूथों की भी गहन जांच की गई। धनबाद मंडल द्वारा चलाया जा रहा यह विशेष अभियान पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं यात्रियों को सुरक्षित एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

जलजमाव से परेशानी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद-बोकारो फोरलेन में डीएवी पब्लिक स्कूल महुदा के समीप ओवरब्रिज पर जल जमाव हो गया है। जल जमाव के कारण इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वाहन चालकों ने बताया कि ओवरब्रिज पर जल निकासी के लिए बनाया गया रास्ता कचरे से जाम हो गया है। इस कारण परेशानी हो रही है। उनका कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग की जिम्मेदारी है कि ऐसे स्थानों की नियमित साफ-सफाई कराई जाए, लेकिन सफाई नहीं होने के कारण जल निकासी बाधित हो रही है और सड़क पर पानी जमा हो जा रहा है।

श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए खूब मेहनत करें, मोबाइल छोड़ किताब को साथी बनाएं: डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए खूब मेहनत करें। मोबाइल छोड़ किताब को साथी बनाएं। बशिक्षकों और अभिभावक का सम्मान करें। यह सम्मान से एक शुरूआत है। जीवन में संघर्ष करते रहे, रुके नहीं। मन को भटकने नहीं दे। पूरी एकाग्रता से पढ़ाई करें। लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। टॉपर्स को देख कर बाकी बच्चे भी सीखते हैं। इसलिए आगे और अच्छा करें। समाज के लिए प्रेरक बने। उक्त बातें डीसी आदित्य रंजन ने शनिवार को कही। अवसर था जिला प्रशासन की ओर से आयोजित सम्मान समारोह का। इसमें जिले के इंटर और मैट्रिक की परीक्षा के टॉपरों का। इसमें जिले भर के 81 टॉपरों को सम्मानित किया गया। इसकी बानगी बना धनबाद क्लब। श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में तीन दिव्यांग छात्र भी थे। डीसी ने कहा कि दिव्यांग बच्चे बहुत संघर्ष करके आगे बढ़ते हैं। सबको इनपर गर्व है, ये अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। एकेडमिक वर्ष 2025-26 में धनबाद जिले में जैक बोर्ड के इंटर (साइंस) में स्टेट टॉपर रही रशीदा नाज सहित मैट्रिक एवं इंटर (आर्टस, साइंस, कॉमर्स) में जैक, सीबीएसई, आईसीएसई, सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 81 मेधावी छात्रों को डीसी आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारेगे ने धनबाद क्लब में आयोजित विशेष समारोह में सम्मानित किया। समारोह का शुभारंभ दिव्यांग छात्र से दीप प्रज्वलित कर किया । इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बच्चों पर ज्यादा दबाव नहीं बनना चाहिए। जिस क्षेत्र में वे जाना चाहते हैं, उन्हें जाने दें। जीवन में आगे बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया से दूर रखें। अच्छी संगति पर ध्यान दें।अच्छे लोगों के बीच में रहे। लोगों की पहचान कर बुरे लोगों से दूर रहे, एक अच्छा इंसान और इस देश का अच्छा नागरिक बने। समारोह में पदाधिकारियों ने जैक बोर्ड के मैट्रिक में 97.60% लाने वाले प्लस टू हाई स्कूल बलियापुर के लक्ष्मण गोराई व विश्वजीत मल्लिक, 97.20% प्राप्त करने वाले अमित कुमार प्रमाणिक व सविता कुमारी तथा 97% मार्क्स लाने वाले प्रिंस कुमार व सौरभ कुमार प्रसाद को सम्मानित किया। साथ में जैक बोर्ड के इंटर आर्ट्स में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली नियति सिंह व दौलत कुमार महतो, द्वितीय स्थान पर शीतल महतो व लक्ष्मी कुमारी एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले तबस्सुम परवीन व कविता कुमारी, इंटर कॉमर्स में आलिया नाज, पिंटू कुमार व नंदनी कुमारी, जैक बोर्ड के इंटर साइंस में 97.80% मार्क्स लाकर स्टेट टॉपर रही रशीदा नाज, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बबेश कुमार महतो व तृतीय आने वाले ऋतु राज डे को सम्मानित किया। समारोह में सीबीएसई 10वीं में प्रथम आने वाले प्रणय गिरी व हर्ष राज, द्वितीय वर्षा कुमारी व तृतीय स्थान पर रहे सालवी सिंह व सविता कुमारी, सीबीएसई इंटर साइंस में प्रथम आने वाली पूनम कुमारी, द्वितीय स्थान पर रहे तेजस लोसालका, अमृतोजीत दास गोस्वामी व सुधांशु शेखर तथा तृतीय स्थान के लिए युवराज प्रीत व मानसी, सीबीएसई इंटर आर्ट्स में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली रिया कुमारी व सृष्टि कुमारी, द्वितीय ओशका कुमारी व तृतीय ईशा कुमारी गुप्ता, सीबीएसई इंटर कॉमर्स में प्रथम स्थान पर रही रिया गुप्ता, द्वितीय यशका अग्रवाल व तृतीय महेक अग्रवाल को सम्मानित किया। समारोह में आईसीएसई 10वीं, आईसीएसई 12वीं साइंस, कॉमर्स एवं आर्ट्स में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कार्मल स्कूल, डी-नोबिली स्कूल व लोयोला स्कूल के 17 छात्रों को सम्मानित किया गया। सीबीएसई 10वीं में एसएसएलएनटी गर्ल्स सीएम एसओई धनबाद की सोनालिका कुमारी, रुमझुम कुमारी व अंकिता कुमारी, सीबीएसई 12वीं साइंस में पूनम कुमारी, सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस जिला स्कूल के श्लोक राज व अंकित कुमार, 12वीं आर्ट्स में कोमल राय, ज्योति मिश्रा व शिवांगी, सीबीएसई 12वीं कॉमर्स के लिए तुषार अग्रवाल, रिया साहू व शुभम अग्रवाल को सम्मानित किया। समारोह में जैक बोर्ड दसवीं के श्रेष्ठ परिणाम के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की (द्वितीय जिला टॉपर) सबिता कुमारी, निशा कुमारी व टियू कुमारी, जैक 12वीं आर्ट्स में शीतल महतो (द्वितीय जिला टॉपर), सुमाती कुमारी महतो, पायल कुमारी, 12वीं कॉमर्स मेधा कुमारी, संजना कुमारी, सलोनी कुमारी व नेहा कुमारी तथा 12वीं साइंस के लिए सिम्मी कुमारी, खुशी कुमारी पांडेय व ज्योति रवानी को सम्मानित किया। वहीं जैक बोर्ड के 10वीं के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय धनबाद के शगुन टुडू, रवि महतो व विजय हांसदा को सम्मानित किया गया। मौके पर समारोह में जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार सहित झारखंड शिक्षा परियोजना धनबाद के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी तथा विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

केएसजीएम कॉलेज में दो दिवसीय शैक्षणिक एवं सामाजिक सेमिनार संपन्न

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः केएसजीएम कॉलेज में दो दिवसीय शैक्षणिक एवं सामाजिक सेमिनार संपन्न हुई।सेमिनार में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विचार प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति (एनइपी) जनजातीय विकास, ग्रामीण क्षेत्र के उत्थान, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण तथा हरित पर्यावरण के महत्व पर विशेष चर्चा की गई। वक्ताओं ने जनजातीय समुदायों के लिए संचालित सरकारी छात्रवृत्ति योजनाओं, ग्रामीण विकास योजनाओं तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।साथ ही, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल शिक्षा, ई-फंड, कौशल विकास कार्यशालाओं, इंटर्नशिप एवं नवाचार कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर बल दिया गया।महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर पर एनएएसी, शिक्षकों तथा विभिन्न संस्थानों के सहयोग से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु संचालित कार्यक्रमों की जानकारी भी दी गई। बीबीएमकेयू एवं आईएसएम के संयुक्त साथी कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बताया गया कि इसके माध्यम से विद्यार्थियों को तकनीकी एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।डॉ. कला सोना पाल सहायक प्राध्यापक भूगोल विभाग, एसकेबीयू पुरुलिया (पश्चिम बंगाल)ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में जनजातीय गरीबी की स्थिति की तुलनात्मक समीक्षा प्रस्तुत की।डॉ. शशांक पाठक विमेन्स कॉलेज जामताड़ा ने कहा कि झारखंड की जनजातीय वनस्पतियों एवं औषधीय पौधों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।डॉ. केएम सिंह सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी विभाग ने अपने संबोधन में जारवा जनजाति एवं अन्य आदिवासी समुदायों की वास्तविक परिस्थितियों पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय प्रकृति और मानवता के बीच गहरे आध्यात्मिक संबंध स्थापित करते हैं तथा उनका जीवन-दर्शन प्रकृति संरक्षण, सामुदायिक सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।समाज एवं पर्यावरण के सतत विकास हेतु सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया गया। सेमिनरा में प्राचार्य प्रो डॉ संजय कुमार सिंह, प्रो बी वर्मा, प्रो उदय शंकर सिंह, प्रो कौशल सिंह, प्रो सुभाष शाह, प्रो सत्येंद्र प्रसाद, प्रो कामिनी कुमारी, प्रो मुजफ्फर आलम, प्रो बीभा कुमारी, प्रो सुनीता कुमारी, प्रो सिमरन कुमारी, प्रो रमेश भट्ट, प्रो रितेश तिवारी, प्रो टिकट मांझी, प्रो अनिता कुमारी, राजीव कुमार शर्मा, आशीष चटर्जी, मनजीत राय, धीरज कुमार मिश्रा, सुलेखा कुमारी, प्रीति कुमारी, संगीता कुमारी, सीमंतो मंडल, निपेन मंडल, अमित मंडल, विद्युत मंडल, विशेश्वर मरांडी, अमीत मंडल, किंकर मंडल, चंचल दास, प्रशांत कुमार मंडल, संजय बनर्जी, दुखी दास, सुमन माझी, सुरेश मरांडी, रिना तिवारी सहित कॉलेज परिवार शामिल थे।

पीएम मातृ वंदना योजना के लिए प्रशिक्षण

धनबाद। प्रधानमंत्री (पीएम) मातृ वंदना योजना पर शनिवार को समाहरणालय के सभागार में एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। उद्घाटन उप विकास आयुक्त सन्नी राज तथा जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर उप विकास आयुक्त ने कहा कि इस योजना से एक भी योग्य लाभुक वंचित नहीं रहना चाहिए। यह भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही एक प्रमुख मातृत्व लाभ योजना है। जिसके तहत गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को पहले बच्चे के जन्म के समय पोषण और बेहतर स्वास्थ्य के लिए आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खाते में दी जाती है। योजना का लाभ उठाने के लिए गर्भवती महिलाओं को अपने निकटतम आंगनवाड़ी केंद्र या आशा कार्यकर्ता के पास पंजीकरण करवाना होता है। योजना के तहत पहले बच्चे के लिए 5,000 और दूसरे बच्चे के रूप में बालिका के जन्म पर 6,000 की वित्तीय सहायता सीधे बैंक खाते में प्रदान की जाती है। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने योजना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान महिलाओं और अजन्मे बच्चे के लिए पौष्टिक आहार सुनिश्चित करना है। वहीं काम करने वाली महिलाओं की गर्भावस्था के दौरान मजदूरी के नुकसान की आर्थिक रूप से भरपाई करना भी योजना में शामिल है। उन्होंने बताया कि वैसी सभी गर्भवती माताएं जो केंद्र/राज्य सरकार या किसी सार्वजनिक उपक्रम में नियमित कर्मचारी नहीं हैं और जिन्हें पहले से मातृत्व अवकाश का लाभ नहीं मिल रहा, वे इस योजना के लिए पात्र हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से इसके लिए आवेदन किया जा सकता है। रांची से आए प्रशिक्षक आनंद पांडेय तथा नोडल महिला पर्यवेक्षिका शिखा कुमारी ने सभी महिला पर्यवेक्षिका व सीडीपीओ को ऐप सहित अन्य विषयों पर प्रशिक्षण दिया।

खाई में गिरा डोजर, ऑपरेटर की झुलसकर मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बाघमारा बीसीसीएल ब्लॉक दो की आउटसोर्सिंग कंपनी अंबे माइनिंग फेस में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा हो गया। हॉल रोड पर अचानक स्लाइड (मिट्टी धंसने) होने से एक डोजर अनियंत्रित होकर सीधे खाई में जा गिरा। इस दुर्घटना में डोजर ऑपरेटर सोनू कुमार सिंह (34 वर्ष) की आग और मलबे की चपेट में आने से झुलसकर मौत हो गई। मृतक मूल रूप से गिरिडीह जिले के पीरटांड थाना क्षेत्र के अंगिया गांव के निवासी जलेश्वर प्रसाद सिंह के पुत्र थे और अंबे कंपनी में कार्यरत थे। ताजे आंधी-बारिश और धुएं के बीच हुआ हादसा घटना शुक्रवार दोपहर लगभग 12:00 बजे की बताई जा रही है। बताया जाता है कि दोपहर करीब 11:30 बजे क्षेत्र में तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई थी। बारिश के पानी के संपर्क में आने के कारण फायर फेस (आग वाले हिस्से) से धुंआ निकलने लगा, जिससे दृश्यता (विजिबिलिटी) बेहद कम हो गई। साथ ही हॉल रोड पर जगह-जगह पानी जमा हो गया था। धुएं और दमघोंटू गैसों से बचने के लिए ऑपरेटर सोनू कुमार सिंह डोजर लेकर सुरक्षित स्थान (ग्रीन जोन) की ओर बढ़ रहे थे। इसी दौरान, कम दृश्यता के कारण डोजर हॉल रोड के बिल्कुल किनारे तक चला गया और स्लाइड हो गई। डोजर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में पलट गया। केबिन में ही फंस गया ऑपरेटर प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जब डोजर खाई में गिर रहा था, तो सोनू ने अपनी जान बचाने के लिए केबिन से बाहर कूदने का प्रयास किया था। लेकिन बदकिस्मती से उनका शरीर केबिन के मुहाने पर ही फंस गया। फायर एरिया होने के कारण नीचे अत्यधिक गर्मी और आग थी, जिसकी चपेट में आने से वे बुरी तरह झुलस गए और मौके पर ही तड़प-तड़प कर उनकी मौत हो गई। रेस्क्यू ऑपरेशन और अस्पताल में मृत घोषित हादसे के बाद माइनिंग फेस में अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद सहकर्मियों ने तुरंत इसकी सूचना परियोजना प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही बाघमारा थाना प्रभारी अजीत कुमार, बीसीसीएल की प्रबंधकीय टीम और रेस्क्यू दल दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू टीम ने ऑपरेटर के शव को डोजर से बाहर निकाला।

युवाओं को रोजगार व मजदूरों को भत्ते के प्रति डालसा ने किया जागरूक

ग्रामीणों को दी कानूनी और सरकारी योजनाओं की जानकारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), धनबाद के अध्यक्ष निकेश कुमार सिन्हा और सचिव मयंक तुषार टोपनो के दिशा-निर्देशानुसार, जिले में चल रहे 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को शिविर का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में प्रभावित इलाकों में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों, विशेषकर युवाओं और ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना है।जागरूकता शिविर के दौरान विधिक टीम के चंदन कुमार, अनामिका सिंह, गीता सिंह पूनम कुमारी, नविन कुमार ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों और युवाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। शिविर में मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न सरकारी रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी दी गई। ग्रामीणों को न्यूनतम मजदूरी, समय पर भुगतान और मजदूरी भत्ता से जुड़े नियमों व अधिकारों के बारे में बताया गया ताकि उनका शोषण न हो सके। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताते हुए ग्रामीणों को उससे जुड़ने की अपील की गई।

पर्चे और पोस्टर बांटकर किया गया जागरूक

शिविर में उपस्थित पुरुषों, महिलाओं और युवाओं को विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा तैयार किए गए सूचनात्मक बांटे। बैनर और पोस्टरों के माध्यम से 'जागरूकता, पहचान और सहायता' का संदेश दिया गया ताकि लोग किसी भी कानूनी समस्या या हक की लड़ाई के लिए सीधे जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) से संपर्क कर सकें। ग्रामीणों ने इस अभियान की सराहना की और इसे अपने अधिकारों को जानने के लिए एक बेहतर कदम बताया।

30-05-2026 T.P. Page 4_Layout 1 30-05-2026 07:20 Page 1

संक्षिप्त खबरें

रांची वीमेंस कॉलेज में मानवता व शांति विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची वीमेंस कॉलेज की प्राचार्या डॉ विनिता सिंह ने कहा है कि वर्तमान समय में भाग-दौड़ की जिंदगी में लोग शांति की तलाश में हैं जबकि आज के तनावपूर्ण परिवेश में खास कर विद्यार्थियों के जीवन में आंतरिक शांति बहुत जरूरी है। डॉ सिंह शुक्रवार को राज विद्या केंद्र द्वारा कला संकाय के मैत्रेयी हॉल में मानवता और शांति विषय पर शांति दूत प्रेम रावत के विशेष वीडियो संदेश कार्यक्रम में बोल रही थीं। प्रेम रावत ने अत्यंत सरल, सहज एवं प्रभावशाली शब्दों में कहा कि मनुष्य प्रायः शांति को बाहरी संसार में खोजता है, जबकि वास्तविक शांति उसके भीतर ही विद्यमान होती है।उन्होंने कहा कि केवल इच्छाओं और आकांक्षाओं के पीछे चलने वाला जीवन कभी स्थायी संतोष और सच्ची शांति प्रदान नहीं कर सकता।मेरा और तुम्हारा की संकीर्ण भावना से ऊपर उठना आवश्यक है। क्योंकि यही विभाजन व्यक्ति और समाज दोनों में अशांति का प्रमुख कारण बनता है।उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की आंतरिक नींव मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है। जिस प्रकार मजबूत आधार के बिना कोई भवन स्थायी नहीं रह सकता, उसी प्रकार सुदृढ़ आंतरिक आधार के अभाव में स्थायी सफलता प्राप्त करना संभव नहीं है। इससे पूर्व आगंतुकों का स्वागत डॉ आरती मोदक ने किया, जबकि डॉ गीता सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। जन संपर्क अधिकारी डॉ कुमारी उर्वशी ने बताया कि मानवता की सेवा भावना से प्रेरित यह कार्यक्रम निःशुल्क आयोजित किया गया।

इलाज के अभाव में थम गई खोरठा साहित्य की आवाज, साहित्यकार सुकुमार का निधन सीएमसी वेल्लोर में बोन कैंसर की पुष्टि, महंगे इलाज का खर्च नहीं उठा सके परिजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : खोरठा भाषा और साहित्य जगत के लिए बेहद दुखद खबर सामने आई है।नावाडीह प्रखंड के भेंडरा निवासी प्रख्यात खोरठा साहित्यकार, कवि एवं कलाकार सुरेश कुमार विश्वकर्मा ह्यसुकुमारह्ल (70 वर्ष) का निधन हो गया।वे लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार, इलाज के लिए उन्हें वेल्लोर स्थित सीएमसी अस्पताल ले जाया गया था।वहां चिकित्सकीय जांच में बोन कैंसर पुष्टि हुई।डॉक्टरों ने इलाज के लिए भारी-भरकम खर्च बताया, जिसे आर्थिक तंगी से जूझ रहा परिवार वहन करने में सक्षम नहीं हो सका।मजबूरी में परिजन उन्हें बिना इलाज वापस घर लेकर लौट रहे थे।इसी दौरान रास्ते में आज सुबह ही उनकी मौत हो गई।शनिवार को उनका शव भेंडरा स्थित पैतृक आवास पहुंचेगा, जिसके बाद जमुनिया नदी तट पर अंतिम संस्कार किया जाएगा।स्वर्गीय ह्यसुकुमारह्ल अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और तीन पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके पुत्र कुणाल भारती नावाडीह में सरकारी शिक्षक हैं।ह्यसुकुमारह्ल खोरठा भाषा आंदोलन के अग्रणी हस्ताक्षरों में शामिल थे।उन्होंने अपने साहित्य, गीतों और सांस्कृतिक योगदान से झारखंड की लोकभाषा और संस्कृति को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन की खबर से साहित्यकारों, कलाकारों और भाषा प्रेमियों में शोक की लहर दौड़ गई है।पूर्व मंत्री बेबी देवी, पूर्व विधायक लंबोदर महतो, भेंडरा मुखिया नरेश कुमार विश्वकर्मा तथा साहित्यकार शिरोमणि महतो समेत कई सामाजिक एवं सांस्कृतिक हस्तियों ने उनके निधन को झारखंड की लोकभाषा और संस्कृति की अपूरणीय क्षति बताया है।

चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान का शुभारंभ महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता को लेकर जिले में चलेगा विशेष अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

साहिबगंज : डीडीसी सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा आयोजित चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान का शुक्रवार को विधिवत शुभारंभ किया गया।यह अभियान 28 मई से 04 जून 2026 तक जिले भर में संचालित किया जाएगा।अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा मासिक धर्म से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक जनजागरूकता फैलाना एवं समाज में व्याप्त झिझक, संकोच एवं भ्रांतियों को दूर करना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीडीसी ने कहा कि माहवारी स्वच्छता प्रबंधन केवल महिलाओं एवं किशोरियों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता है, ताकि समाज में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति सकारात्मक सोच विकसित हो सके।उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि पुरुषों को भी इस विषय में जागरूक एवं संवेदनशील बनाया जाना आवश्यक है।जिससे वे अपनी भूमिका एवं दायित्वों को बेहतर ढंग से समझ सकें तथा महिलाओं एवं किशोरियों को सहयोग प्रदान कर सकें। इस अवसर पर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग साहिबगंज के कार्यपालक अभियंता शशि शेखर सिंह ने बताया कि माहवारी स्वच्छता प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं को स्वास्थ्य, सम्मान, आत्मविश्वास एवं सुरक्षित माहवारी प्रबंधन हेतु सक्षम बनाना है।उन्होंने बताया कि चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान की इस वर्ष की थीम सभी किशोरियों एवं महिलाओं के लिए माहवारी अनुकूल वातावरण का निर्माण निर्धारित की गई है।इस थीम के अंतर्गत समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।माहवारी से संबंधित विषयों पर खुलकर संवाद स्थापित हो सके तथा जागरूकता का वातावरण तैयार किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने हाथों में रेड डॉट प्रदर्शित कर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया।साथ ही उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को माहवारी स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई।जिसमें स्वच्छता, जागरूकता एवं सम्मानजनक व्यवहार को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में सुमित चौबे, उषा देवी, आशीष यादव,विशंभर पटेल, सहायक अभियंता, सभी कनीय अभियंता, सभी जिला समन्वयक, सभी प्रखंड समन्वयक सहित विभाग के अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

तीसरी प्रखंड में वज्रपात से तेरह मवेशियों की मौत

गिरिडीह : गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड के केंदुआ गांव में शुक्रवार को वज्रपात की दर्दनाक घटना में 13 मवेशियों की मौत हो गई। इस हादसे में पांच आदिवासी किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार केंदुआ-बंदरचुआं मौजा के किसान रोज की तरह अपने मवेशियों को जंगल की ओर चराने ले गए थे। इसी दौरान अचानक तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए सभी मवेशी पास के एक बांस के पेड़ के नीचे खड़े हो गए। तभी जोरदार वज्रपात हुआ और उसकी चपेट में आने से मौके पर ही 13 गाय और बैलों की मौत हो गई।हादसे में बाबूलाल मरांडी के 3, महेश सोरेन के 4, छोटका मुर्मू के 4 तथा सुखु मुर्मू और छोटकी टुडू के एक-एक मवेशी की जान चली गई। ग्रामीणों ने बताया कि ये मवेशी ही किसानों की आजीविका का मुख्य सहारा थे।

फिशरी कॉलेज गुमला के विद्यार्थियों ने काकद्वीप और कोलकाता में मछली पालन का सैद्धांतिक और व्यवहारिक का ज्ञान प्राप्त किया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद खारा पानी जलीय कृषि संस्थान (आ-ईसीएआर-सीआईबीए) काकद्वीप केंद्र एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (आईसीएआर-सीआ-ईएफई) कोलकाता के तत्वावधान में स्टूडेंट रेडी कार्यक्रम के तहत आयोजित 30 दिवसीय प्रशिक्षण (27 अप्रैल से 27 मई तक) में मात्स्यिकी विज्ञान महाविद्यालय गुमला के सत्र 2022ह्न26 के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के प्रथम चरण का आयोजन क-ाकद्वीप में हुआ।काकद्वीप में विद्यार्थियों ने डॉक्टर स्टैंजिन गावा व डॉक्टर प्रसांत जाना के नेतृत्व में प्रशिक्षण में भाग लिया।जहां विद्यार्थियों ने खारे पानी की जलीय कृषि के विभिन्न पहलुओं पर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान

प्राप्त किया. विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक तकनीक द्वारा झींगा पालन, फिनफिश व क्रस्टेशियन का पोषण व आहार प्रबंधन, मत्स्य आहार निर्माण, झींगा बीज उत्पादन, झींगा में होनेवाले वायरल एवं बैक्टीरियल रोग, खारे पानी की मछलियों के रोग तथा जलीय कृषि में विविधीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्राप्त की. साथ ही विद्यार्थियों को पीसीआर, जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस, माइक्रोस्कोप के माध्यम से लाइव फीड अवलोकन, नेटिंग संचालन तथा सिंकिंग फीड निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया और विद्यार्थियों ने लाइव फीड यूनिट, हैचरी, फीड मिल, एकीकृत मत्स्य पालन इकाई, स्लूस गेट प्रणाली, केज कल्चर मॉडल तथा संस्थान के तालाबों का भ्रमण भी किया। वहीं प्रशिक्षण के द्वितीय चरण का आयोजन कोलकाता केंद्र में किया गया। जहां विद्यार्थियों ने मत्स्य एवं जलीय कृषि, फिनफिश एवं शेलफिश की पोषण आवश्यकताएं, मिश्रित मत्स्य पालन, कार्प मछलियों का प्रेरित प्रजनन एवं हैचरी संचालन, उच्च मूल्य की मछलियों का प्रजनन, लाइव फीड कल्चर, फीड का प्रॉक्सिमेट विश्लेषण, जल एवं मिट्टी गुणवत्ता विश्लेषण तकनीक, सजावटी मत्स्य प्रजनन, मीठे पानी में मोती उत्पादन तथा जलीय कृषि में जैव प्रौद्योगिकी के उपयोग से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके साथ ही विद्यार्थियों को सिंघी मछली में हार्मोन इंजेक्शन, प्रोटीन आकलन, ईथर एक्सट्रैक्ट विश्लेषण, हिस्टोलॉजी, इलिसा, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर संचालन, रक्त एवं सीरम संग्रहण तथा मत्स्य रोग निदान एवं नियंत्रण उपायों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने पश्चिम बंगाल पशु एवं मात्स्यिकी विज्ञान विश्वविद्यालय, नेजामी रेखा सी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, हावड़ा फिश मार्केट, राम कुमार फिशरी ऑनामेंटल फिश फार्म, कल्याणी फीड मिलिंग प्लांट तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद केंद्रीय अंतदेर्शीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान का भ्रमण भी किया।

चर्चित संजीता कुमारी केस : भुखली उरांव का रिनपास में 30 मई को होगा मानसिक परीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : झारखंड के चर्चित संजीता कुमारी के गायब होने और कथित मानव तस्करी मामले में अब जांच एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गयी है।जिस पर पूरे राज्य की नजर टिकी हुई है। सात साल से गायब संजीता का सुराग तलाश रही पुलिस अब मुख्य आरोपी भुखली उरांव उर्फ भुखली लकड़ा के संभावित नार्को टेस्ट की तैयारी में जुट गयी है। इसी कड़ी में 30 मई को आरोपी भुखली उरांव को रांची के रिनपास ले जाया जायेगा।जहां उसके मानसिक और स्वास्थ्य संबंधी परीक्षण किये जायेंगे। पुलिस प्रशासन की टीम भुखली उरांव को अपने साथ लेकर रिनपास जायेगी। वहां विशेषज्ञ डॉक्टर यह जांच करेंगे कि 72 वर्षीय भुखली उरांव की मानसिक स्थिति नार्को टेस्ट के लिए उपयुक्त है या नहीं। जांच रिपोर्ट आने के बाद उसे अदालत में प्रस्तुत किया जायेगा. जिसके आधार पर आगे नार्को टेस्ट कराने को लेकर निर्णय लिया जायेगा।भुखली उरांव के संभावित नार्को टेस्ट को लेकर उसके परिजनों ने भी सहमति दे दी है। भुखली के परिजनों ने बताया कि संजीता कुमारी के लापता होने के बाद जब से मामला दर्ज हुआ है। तब से परिवार लगातार पुलिस अनुसंधान, पूछताछ और कानूनी प्रक्रियाओं से गुजर रहा है। लंबे समय से चल रही जांच और बढ़ते दबाव के बीच अब परिवार भी चाहता है कि मामले का सच सामने आये और जांच किसी निष्कर्ष तक पहुंचे।इससे पहले गुरुवार को भुखली उरांव को गुमला सदर अस्पताल लाया गया था।लेकिन वहां आवश्यक मशीनों और तकनीकी सुविधाओं के अभाव में जांच संभव नहीं हो सकी।इसके बाद डॉक्टरों ने उसे रिनपास रेफर कर दिया। अब रिनपास की मे-डिकल रिपोर्ट इस पूरे मामले में बेहद अहम मानी जा रही है।मामले की शुरूआत वर्ष 2020 में हुई थी।जब खोरा जामटोली निवासी चंद्रमुनी उरांव ने आरोप लगाया था कि गांव की ही भुखली उरांव उस-ाकी नाबालिग बेटी संजीता कुमारी को पढ़ाई और काम दिलाने का झांसा देकर अपने साथ ले गयी थी। इसके बाद बच्ची कभी वापस नहीं लौटी। परिजनों का आरोप है कि बेटी को वापस लाने की कोशिश करने पर उनके साथ मारपीट की गयी और धमकाकर भगा दिया गया।बाद में एएचटीयू गुमला थाना कांड संख्या 03/2020, दिनांक 6 फरवरी 2020 के तहत प्राथमिकी दर्ज हुई. लेकिन लंबे समय तक जांच धीमी गति से चलती रही।

फर्जी आधार कार्ड बनाकर प्रशिक्षण के नाम पर धोखाधड़ी मामले में तीन आरोपी गये जेल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : फर्जी आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेज बनाकर कौशल विकास प्रशिक्षण दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को शुक्रवार को पिंड्राजोरा पुलिस ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।छात्रों की लिखित शिकायत पर पिंड्राजोरा थाना कांड संख्या 61/2026 दर्ज कर बीएनएस 2023 की धारा 318, 319, 336, 338 एवं 340 के तहत कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों में प्रदीप कुमार कसेरा (वाराणसी),धर्मेंद्र कुमार (बोधगया, गया) तथा नरेंद्र कुमार (सिंदरी, धनबाद) शामिल हैं। जानकारी के अनुसार संथालडीह मोड़ स्थित एक भवन में संचालित स्किल ट्रेनिंग सेंटर ह्यशिक्षा एवं कल्याण समितिह्ल में तीन माह के प्रशिक्षण के बाद युवकों की परीक्षा ली जानी थी।परीक्षा से पहले प्रशिक्षुओं को जो पहचान पत्र दिया गया, उसमें उनका फोटो तो था, लेकिन आधार संख्या किसी अन्य व्यक्ति की थी।फर्जी आधार कार्ड देखकर युवकों ने परीक्षा देने से इंकार कर दिया।विरोध बढ़ने पर संचालकों द्वारा दबाव बनाने की कोशिश की गई,जिसके बाद युवकों ने पुलिस को सूचना दी।पुलिस पहुंचने से पहले छात्रों ने लैपटॉप, प्रिंटर मशीन व अन्य सामग्री जब्त कर पुलिस को सौंप दिया। देर रात कार्यपालक दंडाधिकारी जया कुमारी की मौजूदगी में भवन के प्रशिक्षण केंद्र को सील कर दिया गया। वही मामले की जांच पदाधिकारी में पुलिस की ओर से की जा रही है।

रमना में डीसी का औचक निरीक्षण, बंद मिला आंगनबाड़ी केंद्र; कार्यालय में कर्मियों की अनुपस्थिति पर भड़के उपायुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : उपायुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा ने शुक्रवार को रमना प्रखंड क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था का जायजा लेने के लिए प्रखंड कार्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस औचक कार्रवाई से पूरे प्रखंड मुख्यालय और संबंधित विभागों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान डीसी ने बंद मिले आंगनबाड़ी केंद्र और प्रखंड कार्यालय में कर्मियों की लेटलतीफी व अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी जाहिर की।उपायुक्त श्री मिश्रा ने सबसे पहले मड़वानिया गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करने पहुंचे।वहां केंद्र बंद पाया गया और ताला लटका मिला। इस पर नाराजगी जताते हुए डीसी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को मामले की तत्काल जांच कर दोषी से-विका-सहायिका के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण व स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित और समय पर संचालन हर हाल में सुनिश्चित होना चाहिए।आंगनबाड़ी केंद्र के बाद उपायुक्त सीधे रमना प्रखंड कार्यालय पहुंचे।उन्होंने वहां विभिन्न पटलों और शाखाओं का बारीकी से निरीक्षण किया।इस दौरान कई कर्मचारी अपनी सीट से नदारद मिले, जिसे देखकर डीसी भड़क गए।उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को समय पर कार्यालय आने और पूरी जिम्मेदारी के साथ जनता का काम करने की सख्त हिदायत दी, उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक बिना किसी देरी के पहुंचना चाहिए, इसमें किसी भी तरह की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने प्रखंड क्षेत्र में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की।उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वे सभी चालू योजनाओं का शत-प्रतिशत और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।डीसी ने जोर देकर कहा कि सरकार की योजनाओं का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर विकास कार्यों को गति दें।

महिला महाविद्यालय में शोध प्रविधि विषय पर एक सेमिनार का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : महिला महाविद्यालय, सरायकेला-खारसावां में आईआईसी सेल तथा इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में शोध प्रविधि विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ स्पार्कलीन देई ने शोध के महत्व पर भी प्रकाश डालते हुए छात्राओं को शोध प्राविधी के विषय में आसान भाषा में समझाई। शोध से संबंधित मौलिक जानकारी से लेकर आगे कैसे एक अच्छा शोध पत्र तैयार करें, इसके संबंध में विस्तृत जानकारी दी।छात्राओं को बताया कि एक अच्छे शोध का समाज पर सकरात्मक प्रभाव पड़ता है।उन्होंने छात्राओं को सलाह दिए कि शोध के लिए आंकडा संग्रहण में काफी सावधानी बरते।आंकड़ा संग्रह के बाद इसका विश्लेषण अवश्य करें, क्योंकि कभी - कभी आहकडा पूर्वाग्रह से भी ग्रसित होते है।डॉ स्पार्कलीन देई ने आंकडा

संग्रहण विधी के बारे में भी छात्राओं को जानकारी दी।साथ ही छात्राओं को सलाह दिए कि शोध पत्र में उच्च कोटि का निष्कर्ष देने का प्रयास करे।शोध में निष्कर्ष का काफी महत्व होता है। साथ ही छात्राओं को शोध के लिए लाईब्रेरी, अभिलेखगार, पुस्तके तथा इंटरनेट की सहायता भी लेना चाहिए।सेमिनार को संबोधित करते हुए इतिहास विभाग के शिक्षक डॉ चंद्रशेखर राय ने शोध समस्या से इसके विभिन्न चरणों, साहित्यक अवलोकन, परिकल्पना, संभावित अध्याय तथा संदर्भ ग्रंथ सूचि पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने छात्र-ाओं को सलाह दिये कि वे खुद मेहनत करे तथा अच्छा शोध पत्र तैयार करे।इस अवसर पर इतिहास विभाग की शिक्षिका हेमा सुजाता लकड़ा, हिंदी विभाग की शिक्षिका डॉ श्वेत लता तथा महाविद्यालय की युजी व पीजी की छात्राएं उपस्थित थी।

महालिमोरूप रेलवे स्टेशन के यात्री समस्याओं के समाधान हेतु ऑडिटर को सौंप गया ज्ञापन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : दक्षिण पूर्व सेंट्रल रेलवे बिलासपुर से चक्रधरपुर रेल मंडल अंतर्गत महालिमोरुप रेलवे स्टेशन व मुरुप रेलवे फाटक का सेफ्टी ऑडिट इंस्पेक्शन करने पहुंचे आला अधिकारियों को महालिमोरूप रेलवे स्टेशन के यात्री समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन प्रतिनिधि मंडल द्वारा सौंपा गया। प्रतिनिधि मंडल में मुरुप पंचायत के मुखिया तपास कुमार महतो, पंचायत समिति सदस्या अनिता प्रधान, गु-राडीह एवं रेन्गुडीह के ग्राम प्रधान क्रमशः अश्वनी कुमार सिंहदेव व हृदयानंद महतो, युवा सामाजिक कार्यकर्ता हेमसागर प्रधान, अनिरुद्ध प्रमाणिक, अजीत प्रधान, गुरुपद महतो, डा सदानंद महतो, प्रमेश्व महतो, जगन्नाथ प्रधान, तपन मंडल, मनोज प्रधान, विकास प्रमाणिक आदि शामिल थे। ज्ञापन में महालिमोरूप स्टेशन क्षेत्र के मुखिया,पंचायत समिति सदस्या,वार्ड सदस्य, ग्राम प्रधान समेत 312 लोगों

का हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन में कहा गया कि महालिमोरूप रेलवे स्टेशन से होकर रोजाना सैकड़ों यात्री व मालवाहक ट्रेनों का परिचालन किया जाता है। इससे रेलवे को अच्छा-खासा राजस्व प्राप्त होता है। इसके बावजूद यहाँ के यात्रियों को मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है, जो इस प्रकार है, फुट ओवरब्रिजसभी प्लेटफॉर्म पर फुट ओवरब्रिज नहीं होने के कारण यात्रियों को मालगा-ड़ियों के नीचे से पटरी पार करनी पड़ती है। स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज की व्यवस्था अधूरी है। प्लेटफार्म संख्या 1, 2 और 3 पर फुट ओवरब्रिज है, परन्तु प्लेटफॉर्म संख्या 4 से 7 तथा 8 नंबर रेल लाइन को पार करने के लिए फुट ओवरब्रिज की व्यवस्था ही नहीं है। इन पटरियों पर घंटों मालगाड़ी खड़ी कर दी जाती है। ऐसी परिस्थिति में मजबूरन यात्री जान जोखिम में डालकर ट्रेन के नीचे से आर-पार होते हैं। इससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है।हावड़ा-मुंबई मुख्य रेलमार्ग होने से अप और डाउन दोनों दिशाओं में लगातार ट्रेनों की आवाजाही से स्टेशन के नजदीक मुरुप रेलवे फाटक बंद रहता है। ऐसे में फाटक के दोनों ओर बसे दर्जन गाँवों के लोगों को रेलवे फाटक बंद होने पर घंटों इंतजार करना पड़ता है। इस फाटक का लॉक स्टेशन मास्टर से कॉट्रोल होने से गेटमेन इमरजेंसी में भी बंद फाटक को नहीं खोल सकता है। ऐसी परिस्थिति में खासकर मरीजों और स्कूली बच्चों को विशेष परेशानी होती है। अतः यहाँ रोड ओवर ब्रिज का निर्माण अति आवश्यक है। यात्रियों को यातायात में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। पैसेंजर ट्रेनों के अलावे एक भी महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव यहाँ नहीं दिया गया है। पैसेंजर ट्रेनों की आवागमन समय सारणी डिस्प्ले नहीं होने से यात्रियों को दिक्कत होती है।

3 वर्षीय मासूम की हत्या और गैंगरेप मामले में महज 13 दिनों में स्पीडी ट्रायल के लिए कोर्ट में चार्जशीट दाखिल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गोड्डा :गोड्डा जिले से कानून-व्यवस्था और पुलिस की सक्रियता की एक बड़ी खबर सामने आई है। गोड्डा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मकुन्दी दिकवानी गांव में 3 साल की मासूम बच्ची के साथ हुई हैवानियत और हत्या के मामले में पुलिस ने मिसाल पेश करते हुए स्पीडडी ट्रायल के लिए महज 13 दिनों के भीतर अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता के लिखित आवेदन पर 15 मई 2026 को गोड्डा मुफस्सिल थाने में काण्ड संख्या-70/2026 दर्ज किया गया था। यह प्राथमिकी भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 103(1)/238/3(5) के तहत दर्ज की गई थी। आरोप था कि गांव के ही प्रेम मुर्मू (उम्र 30 वर्ष), पिता- ढेना मुर्मू तथा जर्मन सोरेन (उम्र करीब 50 वर्ष), पिता- स्व सकला सोरेन दो व्यक्तियों ने शिकायतकर्ता की 3 वर्षीय नाबालिग बेटी की निर्मम हत्या कर दी और साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से शव को कुएं में फेंक दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और नामजद दोनों प्राथमिक अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी गोड्डा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मकुन्दी दिकवानी के रहने वाले हैं।गिरफ्तारी के बाद दोनों को न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।पुलिस जांच और मामले से जुड़े वैज्ञानिक साक्ष्यों को मजबूत करने के लिए घटना से संबंधित सभी प्रदर्शों को रासायनिक जांच हेतु विधि-विज्ञान प्रयोगशाला राँची भेजा गया था। केस के अनुसंधान के दौरान प्राप्त पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा अन्य नए तथ्यों व गवाहों के आधार पर इस मामले में गैंग रेप और पोक्सो एक्ट की धाराएं भी जोड़ी गईं।मुफस्सिल थाना प्रभारी आनंद कुमार साहा ने बताया कि पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द न्याय दिलाने के संकल्प के साथ गोड्डा पुलिस ने गुणवत्तापूर्ण और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की।मामले की चौतरफा वैज्ञानिक व तकनीकी जांच पूरी करते हुए पुलिस ने महज 13 दिनों के भीतर न्यायालय में दोनों आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र समर्पित कर दिया है।पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

संक्षिप्त खबरें

फतेहपुर में झमाझम बारिश से मिली राहत, मौसम हुआ खुशनुमा

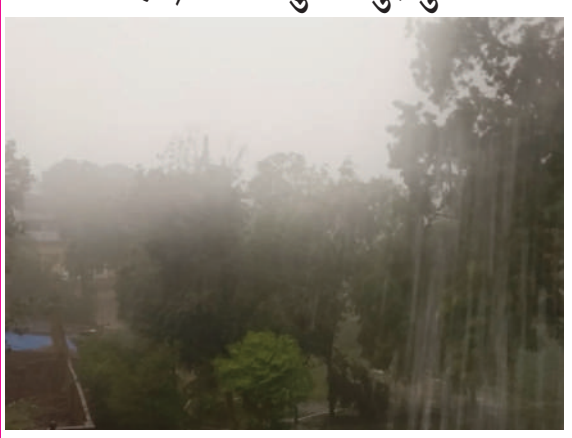

गरज-चमक और तेज हवाओं के बीच हुई जोरदार बारिश

भीषण गर्मी व उमस से लोगों को राहत, किसानों में खुशी की लहर

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर में शुक्रवार की सुबह मौसम ने अचानक करवट ली और आसमान में छाए काले बादलों के बीच गरज-चमक के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश ने कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को बड़ी राहत दी। सुबह से ही मौसम सुहाना हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बारिश शुरू होते ही लोगों ने राहत महसूस की। सड़कों, चौक-चौराहों और बाजारों में लोग मौसम के बदले मिजाज की चर्चा करते नजर आए। तेज धूप और उमस से परेशान लोगों के चेहरे बारिश के बाद खिल उठे। किसानों ने भी इस बारिश को खेती के लिए फायदेमंद बताया। उनका कहना है कि बारिश से खेतों में नमी बढ़ेगी और फसलों को लाभ मिलेगा। बारिश के बाद पूरे इलाके में ठंडक घुल गई और लोगों ने सुकून भरी सुबह का आनंद लिया।

पीएम सूर्य घर योजना ने रचा नया इतिहास : जीतन राम मांझी

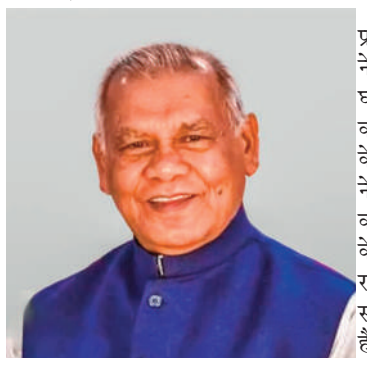

गया जी(एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना की ऐतिहासिक सफलता पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना देशभर के 40 लाख से अधिक परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में दुनिया के सामने एक नया उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ह्यपीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजनाह्न केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि गरीब, वंचित एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बन चुकी है। योजना के तहत सरकार द्वारा 78 हजार तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है, जिससे आम परिवार सौर ऊर्जा से जुड़ रहे हैं। इससे बिजली बिल में राहत मिलने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है।उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने हमेशा गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उज्ज्वला योजना, हर घर बिजली, जल जीवन मिशन और पीएम आवास योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक विकास पहुंचाने का कार्य किया गया है। अब पीएम सूर्य घर योजना भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ रहा देश

जीतन राम मांझी ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ऊर्जा नीति और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की सराहना कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से ग्रीन एनर्जी हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के विस्तार से देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर मजबूत कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि अधिक से अधिक लोग ह्यपीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजनाह्न से जुड़ें और स्वच्छ ऊर्जा अभियान का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि हर घर में सौर ऊर्जा पहुंचने से बिजली खर्च में कमी आएगी और पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। साथ ही यह योजना विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

युवाओं को रोजगार व मजदूरों को भत्ते के प्रति डालसा ने किया जागरूक

ग्रामीणों को दी कानूनी और सरकारी योजनाओं की जानकारी

धनबाद (एजेंसी) : जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), धनबाद के अध्यक्ष निकेश कुमार सिन्हा और सचिव मयंक तुषार टोपनो के दिशा-निदेर्शानुसार, जिले में चल रहे 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को शिविर का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में प्रभावित इलाकों में एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों, विशेषकर युवाओं और ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना है।जागरूकता शिविर के दौरान विधिक टीम के चंदन कुमार, अनामिका सिंह, गीता सिंह पूनम कुमारी, नविन कुमार ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों और युवाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। शिविर में मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न सरकारी रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी दी गई। ग्रामीणों को न्यूनतम मजदूरी, समय पर भुगतान और मजदूरी भत्ता से जुड़े नियमों व अधिकारों के बारे में बताया गया ताकि उनका शोषण न हो सके। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताते हुए ग्रामीणों को उससे जुड़ने की अपील की गई। पर्चे और पोस्टर बांटकर किया गया जागरूक शिविर में उपस्थित पुरुषों, महिलाओं और युवाओं को विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा तैयार किए गए सूचनात्मक बांटे। बैनर और पोस्टरों के माध्यम से 'जागरूकता, पहचान और सहायता' का संदेश दिया गया ताकि लोग किसी भी कानूनी समस्या या हक की लड़ाई के लिए सीधे जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) से संपर्क कर सकें। ग्रामीणों ने इस अभियान की सराहना की और इसे अपने अधिकारों को जानने के लिए एक बेहतर कदम बताया।

देश की खुशहाली का रास्ता खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है: मंगनी लाल मंडल

पटना, (ईएमएस)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश कार्यालय पटना में शुक्रवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री व किसान नेता स्व. चौधरी चरण सिंह एवं समाजवादी आंदोलन के प्रखर पुरोधा स्व. भूपेन्द्र नारायण मंडल की पुण्यतिथि संयुक्त रूप से मनाई गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने की। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने दोनों महान विभूतियों के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा कि चौधरी साहब एक अद्वितीय किसान नेता थे। उनका स्पष्ट मानना था कि भारत की खुशहाली का रास्ता खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। जब तक किसानों की दशा नहीं सुधरेगी, तब तक देश का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। उन्होंने राजनीति को सीधे गांवों और माटी से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया, जिससे देश की अर्थव्यवस्था में किसानों और मजदूरों के योगदान को एक नई पहचान मिली। वे दृढ़ संकल्प और उच्च सिद्धांतों के नेता थे, जिन्होंने अपने विचारों से कभी समझौता नहीं किया। स्व. भूपेन्द्र नारायण मंडल के योगदान को रेखांकित करते हुए मंगनी लाल मंडल ने उन्हें महान समाजवादी योद्धा बताया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1921 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन के दौरान भूपेन्द्र बाबू ने छात्रों का सफल नेतृत्व किया था। 1930 में वकालत के पेशे से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत करने वाले भूपेन्द्र बाबू ने 1940 में मधेपुरा में छात्रों द्वारा चलाए गए ह्यह्यछुआछूत मिटाओ आंदोलनह्नह्न में मुख्य भूमिका निभाई थी। इन्होंने आगे कहा कि वे 1957 के आम चुनाव में सोशलिस्ट पार्टी से विधायक चुने गए और इसके बाद 1968 तथा 1972 में दो बार राज्यसभा के सम्मानित सदस्य रहे। सामाजिक न्याय और आजादी की लड़ाई लड़ते हुए वे परतंत्र भारत में दो बार और स्वतंत्र भारत में चार बार जेल भी गए। उन्होंने जीवनपर्यन्त शोषितों, वंचितों और गरीब-गुरबों की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक पूरी प्रखरता के साथ लड़ी। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, बिहार विधान परिषद के पूर्व उपसभापति डॉ.रामचंद्र पूर्वे, प्रदेश महासचिव मदन शर्मा, नंदू यादव, हरेंद्र कुशवाहा, निर्भय कुमार अंबेडकर, संजय यादव, डॉ.प्रेम कुमार गुप्ता, भाई अरुण कुमार, प्रमोद कुमार सिन्हा, महेन्द्र प्रसाद विद्यार्थी, अशोक यादव, बच्चा कुमार सिंह, कुमर राय, मोहित कुमार यादव, डॉ.लालदेव प्रसाद यादव, संजय कुमार वर्मा, गणेश कुमार यादव, रीना चौधरी, श्रीकांत व्यास, सौरभ शर्मा, दिनेश कुमार राम, डॉ.राजेश कुमार सक्सेना, रामाशीष मिस्त्री, हेमंत कुमार, मालू यादव, चंदेश्वर प्रसाद सिंह सहित सैकड़ों गणमान्य कार्यकताओं ने दोनों महान नेताओं के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

नवगछिया नप सशक्त स्थायी समिति चुनाव संपन्न

भागलपुर, (एजेंसी) : नवगछिया नप सशक्त स्थायी समिति के गठन को लेकर शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में चुनाव संपन्न कराया गया। जिसमें नगर परिषद के कुल 26 पार्षदों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।मतगणना के बाद तीनों विजयी उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गयी। चुनाव में वार्ड संख्या 24 के पार्षद रंजीत भगत उर्फ मुन्ना भगत ने शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी सुषमा देवी को 10 मतों से पराजित किया। रंजीत भगत को कुल 18 मत प्राप्त हुए, जबकि सुषमा देवी को 8 वोट मिले। समिति के दूसरे सदस्य के रूप में नागेश्वर सिंह ने जीत हासिल की। उन्हें 16 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी अभिनंदन को 9 वोट मिले। वहीं तीसरे सदस्य के चुनाव में ज्ञान सागर ने भी 16 मत हासिल कर जीत दर्ज की। उनके विपक्षी रवि मंडल को 9 मत प्राप्त हुए। इस तरह पूर्व से समिति में शामिल तीनों सदस्य एक बार फिर चुनाव जीतने में सफल रहे। जिलाधिकारी के आदेश के आलोक में नवगछिया अनुमंडल पदाधिकारी रोहित कर्दम ने निवार्ची पदाधिकारी के रूप में पूरी चुनाव प्रक्रिया संपन्न करायी। परिणाम घोषित होते ही विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में खुशी का माहौल देखा गया।

सनातन संस्कृति के विस्तार की जिम्मेदारी अब संजय कुमार के कंधों पर

बिहार प्रदेश में सह कोआर्डिनेटर बनाए गए, संगठन विस्तार को लेकर मिली अहम जिम्मेदारी

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर नगर पंचायत निवासी एवं बीजेपी मंडल अध्यक्ष संजय कुमार को सनातन बोर्ड परिषद ने बिहार प्रदेश का सह कोआर्डिनेटर मनोनीत किया है। परिषद की ओर से जारी नियुक्ति पत्र में उन्हें संगठन के विस्तार, सामाजिक गतिविधियों के संचालन तथा सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। परिषद ने उम्मीद जताई है कि संजय कुमार गांव-गांव तक संगठनात्मक गतिविधियों को पहुंचाने और समाज को सांस्कृतिक रूप से जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। नियुक्ति की खबर मिलते ही उनके समर्थकों और शुभचिंतकों में उत्साह का माहौल है। संजय कुमार ने परिषद के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे तथा समाजहित में लगातार कार्य करते रहेंगे।

बूंद-बूंद पानी को तरसे टनकुप्पा प्रखंड के ढिबर गांव के लोग

नल-जल योजना ठप होने से वार्ड एक और दो में गहराया पेयजल संकट

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : टनकुप्पा प्रखंड की ढिबर पंचायत अंतर्गत ढिबर गांव में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है। वार्ड संख्या-01 एवं 02 में नल-जल योजना के सुचारु रूप से संचालित नहीं होने और कई चापाकलों के खराब पड़े रहने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समस्या से त्रस्त ग्रामीणों ने शुक्रवार को बीडीओ अलीशा कुमारी को आवेदन देकर शीघ्र समाधान की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार वार्ड संख्या-01 में नल-जल योजना लंबे समय से बंद पड़ी है, जिससे अधिकांश घरों तक पानी की आपूर्ति ठप हो गई है। वहीं वार्ड संख्या-02 में पाइप लाइन खराब रहने के कारण केवल कुछ घरों तक ही पानी पहुंच पा रहा है। इससे लोगों को दूर-दराज से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि ढिबर मोड़ स्थित बजरंगबली मंदिर के समीप लगा चापाकल करीब तीन माह से खराब है। इसके अलावा अमिरक मांझी के घर के पास तथा देवी स्थान के समीप लगे चापाकल भी खराब पड़े हैं। ग्रामीणों ने ढिबर बाजार स्थित देवी स्थान के पास नया चापाकल लगाने की मांग की है ताकि लोगों को राहत मिल सके।

आवेदन में ढिबर मोड़, बड़ैला और बरसीमा मोड़ के समीप राहगीरों के लिए प्याउ की व्यवस्था कराने की भी मांग की गई है। उप सरपंच वीरन सिंह, समाजसेवी रवि कुमार और सुरेंद्र सिंह ने बीडीओ से अविलंब खराब चापाकलों की मरम्मत, नल-जल योजना को चालू कराने तथा नए चापाकल लगाने की मांग की है।

बिहार भाजपा की नई कमिटी में सामाजिक संतुलन और संगठन का समन्वय: दानिश इकबाल

पटना, (एजेंसी) : भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी द्वारा शुक्रवार कोक प्रदेश पदाधिकारियों एवं विभिन्न मोर्चों के अध्यक्षों की नई सूची जारी की गई।

प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने कहा कि यह नई टीम संगठन की मूल विचारधारा, सामाजिक समरसता और जमीनी कार्यकताओं के सम्मान का सशक्त उदाहरण है।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश के उपरांत इस नई प्रदेश टीम की घोषणा की गई है।

प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने कहा कि नई टीम में अनुभवी, संघर्षशील एवं संगठननिष्ठ कार्यकताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। पूर्व विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल, पवन जायसवाल और प्रणव यादव सहित कुल 14 नेताओं को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। साथ ही सातों प्रदेश मोर्चा अध्यक्षों की भी घोषणा की गई है।भाजपा युवा मोर्चा की जिम्मेदारी जितेंद्र सिंह को सौंपी गई है, जबकि महिला मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष विधायक निशा सिंह को बनाया गया है। कमिटी में धनराज शर्मा, प्रीति शेखर, सरोज रंजन पटेल, नितिन अभिषेक और राजेश झा उर्फ राजू झा को महामंत्री बनाया गया है। मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने कहा कि यह टीम बिहार भाजपा की सामाजिक प्रतिबद्धता और सर्वस्पर्शी संगठनात्मक सोच को दशार्ती है। नई कमिटी में 17 सदस्यों को पिछड़ा एवं अतिपिछड़ा समाज से शामिल किया गया है, जिससे पार्टी की सामाजिक न्याय और सहभागिता की नीति को मजबूती मिली है।

सिवान पुलिस और एसटीएफ के हत्थे चढ़ा टॉप-10 अपराधी अमित पटेल

सिवान, (एजेंसी) : सिवान में बिहार एसटीएफ और जिला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त कार्रवाई के दौरान महाराजगंज थाना कांड संख्या 464/25 में वांछित टॉप-10 अपराधी अमित पटेल उर्फ अमित कुमार प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के अनुसार, 29 मई को एसटीएफ और सिवान जिला पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर आरोपी को दबोचा। गिरफ्तार अपराधी पर हत्या, डकैती, रंगदारी और आर्म्स एक्ट समेत कुल 09 गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक अमित पटेल लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा था। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की जा रही है तथा उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य अपराधियों की तलाश भी जारी है।

सिवान में तलवारबाजी कांड का खुलासा: महिला हत्या मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार

सिवान, (एजेंसी) : बिहार के सिवान जिले के जामोबाजार थाना क्षेत्र में हुए खूनी संघर्ष मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आमोद दूबे और प्रमोद दूबे के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, 25 मई को ग्राम जामो जलालपुर में दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर तलवार से हमला कर दिया। इस हमले में एक महिला की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया था। मामले में वादी के आवेदन के आधार पर जामोबाजार थाना में कांड दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान तकनीकी साक्ष्य और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों का पूर्व से भी आपराधिक इतिहास रहा है।

गुरपा घाटी में बारिश का ब्रेक : फिसलन भरे ट्रैक पर थमी दुरंतो, घंटों बाधित रहा रेल संचालन

बसकटवा-नाथगंज चढ़ाई पर इंजन ने छोड़ा साथ, डेढ़ घंटे तक रुकी रही दुरंतो एक्सप्रेस

दुरंतो के बाद मालगाड़ी भी फसी, अतिरिक्त इंजन लगाकर कराया गया पार

वंदे भारत, जनशताब्दी समेत कई महत्वपूर्ण ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों पर रोकी गई

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : गया-कोडरमा रेलखंड के गुरपा-गझंडी घाट सेक्शन में शुक्रवार सुबह तेज बारिश ने रेल परिचालन की रफ्तार पर अचानक ब्रेक लगा दिया। लगातार बारिश से ट्रैक पर बढ़ी फिसलन के कारण नई दिल्ली-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस बसकटवा-नाथगंज के बीच चढ़ाई पर फंस गई। करीब डेढ़ घंटे तक ट्रेन आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बाद पीछे आ रही एक मालगाड़ी भी उसी समस्या का शिकार हो गई। दोनों ट्रेनों के फंसने से डाउन लाइन पर लगभग तीन घंटे तक रेल परिचालन बुरी तरह प्रभावित रहा।जानकारी के अनुसार 12260 डाउन नई दिल्ली-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस सुबह करीब 8:30 बजे गुरपा-गझंडी घाट सेक्शन से गुजर रही थी। इसी दौरान रेल किलोमीटर संख्या 415/8 के पास ट्रैक अत्यधिक फिसलन भरा हो गया। इंजन के पहिए ट्रैक पर पकड़ नहीं बना सके और ट्रेन चढ़ाई के बीच रुक गई। चालक द्वारा कई प्रयास किए गए, लेकिन ट्रेन आगे नहीं बढ़ सकी। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी, तकनीकी कर्मी और आरपीएफ की टीम सक्रिय हो गई। आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था संभाली गई। बाद में दूसरी इंजन लगाकर करीब 10 बजे दुरंतो एक्सप्रेस को सुरक्षित आगे रवाना किया गया। दुरंतो के निकलने के बाद पीछे चल रही मालगाड़ी भी फिसलन के कारण घाट सेक्शन में अटक गई। मालगाड़ी के पहिए ट्रैक पर घूमते रहे, लेकिन ट्रेन आगे नहीं बढ़ पाई। इसके बाद गझंडी स्टेशन से अतिरिक्त इंजन मंगाया गया। दूसरी इंजन जोड़ने के बाद करीब 11:35 बजे मालगाड़ी को भी सुरक्षित रवाना किया गया। इस दौरान डाउन लाइन पर रेल परिचालन पूरी तरह प्रभावित रहा। 12988 डाउन अजमेर- सियालदह एक्सप्रेस गुरपा स्टेशन पर, 12365 डाउन पटना-रांची जनशताब्दी पहाड़पुर स्टेशन पर, 22349 डाउन पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस टनकुप्पा स्टेशन पर, बीकानेर-हावड़ा एक्सप्रेस बंधुआ स्टेशन पर तथा आनंद विहार-हटिया झारखंड एक्सप्रेस मानपुर स्टेशन पर खड़ी रही। इसके अलावा कई अन्य ट्रेनें भी विभिन्न स्टेशनों पर रोकी गईं। पहाड़पुर स्टेशन प्रबंधक विनोद कुमार ने बताया कि लगातार बारिश के कारण घाट सेक्शन में ट्रैक पर फिसलन काफी बढ़ गई थी। यही वजह रही कि ट्रेनों को चढ़ाई पार करने में परेशानी हुई। रेलवे की तकनीकी टीम लगातार निगरानी में जुटी रही और अतिरिक्त इंजन की मदद से ट्रेनों को सुरक्षित निकालकर बाद में परिचालन सामान्य कराया गया।

संपादकीय

शेयर बाजार में भारतीय निवेशकों के 13 लाख करोड़ डूबे

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की जो ताजा रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। उसके अनुसार भारतीय शेयर बाजार में पिछले तीन माह में भारी उतार चढ़ाव के कारण निवेशकों के 13 लाख करोड रुपए शेयर बाजार में डूब गए हैं। चौथी तिमाही में निफ्टी 50 में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। भारतीय शेयर बाजार में जिस तरह की गिरावट निरंतर बनी हुई है। उसने भारत के संस्थागत निवेशक वित्तीय संस्थान बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम की चिंताऐं तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। ईरान और अमेरिका के बीच जिस तरह से तनाव बना हुआ है। यह आगे और बढ़ता हुआ दिख रहा है। दुनिया के अधिकांश देशों में ऊर्जा संकट लगातार बढ़ रहा है। ऊर्जा संकट के कारण अर्थव्यवस्था में भारी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। ऊर्जा संकट ने पूरी दुनिया में एक अलग तरह के आर्थिक संकट को जन्म दिया है। कच्चे तेल और गैस इत्यादि के बढ़ते दाम, उपलब्धता में लगातार कमी से शेयर बाजारों को बुरी तरह से प्रभावित किया है। विदेशी निवेशक भारत से अपना निवेश निकलकर भाग रहे हैं। 2026 एनएसई की जो रिपोर्ट प्रकाशित हुई है।उसके अनुसार सूचीबद्ध कंपनियों में घरेलू निवेशकों की कुल हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है। विदेशी निवेशक लगातार कई वर्षों से मुनाफा वसूली कर रहे थे। भारत का पैसा मुनाफे के रूप में विदेशों में चला गया है। विदेशी निवेश लगातार निकलने के कारण वहीं विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी न्यूनतम स्तर पर आ गई है। लगातार गिरावट के कारण भारत में घरेलू निवेशकों का फंड घटकर 76. 5 लाख करोड रुपए रह गया है. पिछली तिमाही के आधार पर लगभग 13 फीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो में निवेशकों ने 19.6 अरब डॉलर भारतीय शेयर बाजार से निकाल लिए हैं। सूचीबद्ध कंपनियों में विदेशी निवेशको की हिस्सेदारी घटकर 17 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। जो वर्तमान में चिंता का सबसे बड़ा कारण बन गया है। शेयर बाजार के साथ-साथ विदेशी मुद्रा का संकट भी भारत में बढ़ता चला जा रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार गिर रही है। कच्चे तेल और गैस की कीमतें बढ़ने और डॉलर मुद्रा में भुगतान के कारण आर्थिक स्थिति में बड़ा दबाव देखने को मिल रहा है। चीन से आयात की तुलना में निर्यात बहुत कम है।युवान मुद्रा को लेकर भी लगातार भारतीय अर्थव्यवस्था संकट में फंसती चली जा रही है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, डॉलर से ज्यादा खराब स्थिति युवान के कारण भारत की अर्थव्यवस्था को झेलना पड़ रही है।

मैं एक मजदूर हूँ। जिस दिन कुछ लिख न लूँ, उस दिन मुझे रोटी खाने का कोई हक नहीं।
: प्रेमचंद

उदार मन वाले विभिन्न धर्मों में सत्य देखते हैं। संकीर्ण मन वाले केवल अंतर देखते हैं।
: गौतम बुद्ध

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है पत्रकारिता

पत्रकारिता समाचारों, विचारों और घटनाओं को एकत्र करके उन्हें जनता तक पहुँचाने का माध्यम है, यह लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जिसका उद्देश्य समाज को जागरूक, निष्पक्ष और सूचित रखना है इंसानी इतिहास में, पत्रकारिता ने अपनी अहम जगह और ऊँचे आदर्शों पर पक्के भरोसे के जरिए हमेशा अपनी अलग पहचान बनाई है। भारत में, पत्रकारिता का इतिहास लगभग दो सौ साल पुराना है। आज, पत्रकारिता शब्द हमारे लिए कोई नया कॉन्सेप्ट नहीं है। सुबह होते ही हमें अखबार की जरूरत महसूस होती है; इसके बाद, पूरे दिन हमें रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट और सोशल मीडिया जैसे अलग-अलग तरीकों से खबरें मिलती रहती हैं। इसके अलावा, रेडियो, टीवी और सोशल मीडिया सुबह से शाम तक हमारे साथ रहते हैं। इस लगातार जुड़ाव के पीछे एक खास इच्छा है–एक जिज्ञासा–नई और ताजा जानकारी पाने की। लोग पिछले कुछ घंटों में या पिछली रात से हुए बदलावों या सामने आई नई घटनाओं के बारे में जानकारी रखना चाहते हैं। इस बात का निचोड़ यह है कि हम अपने दोस्तों, पड़ोसियों, रिश्तेदारों और साथ काम करने वालों से अपने आस-पास हो रही घटनाओं के बारे में लगातार जानना चाहते हैं। अपने आस-पास की चीजों, घटनाओं और लोगों के बारे में अप-टू-डेट जानकारी पाना इंसान की एक जन्मजात आदत है; जिज्ञासा की भावना हमारे अंदर एक बहुत बड़ी ताकत है। यही जिज्ञासा न्यूज का बुनियादी हिस्सा है–और, बड़े पैमाने पर कहें तो, खुद पत्रकारिता का भी। अगर यह जिज्ञासा खत्म हो जाए, तो न्यूज की जरूरत भी खत्म हो जाएगी। पत्रकारिता इसी अंदरूनी जिज्ञासा को पूरा करने की कोशिश के तौर पर शुरू हुआ–यह एक ऐसा मिशन है जिसे यह आज भी पूरा कर रहा है, और अपने बुनियादी उसूलों पर मजबूती से टिका हुआ है। इस जिज्ञासा के जरिए, हमें अपने आस-पड़ोस, शहर, राज्य और पूरी दुनिया के बारे में बहुत सारी जानकारी मिलती है। यह जानकारी न सिर्फ.हमारी रोजमर्रा की ज़िंदगी पर बल्कि पूरे समाज पर असर डालती है। इसके अलावा, यह जानकारी हमारे अगले कदम को तय करने में हमारी मदद करने में भी अहम भूमिका निभाती है। यही वजह है कि आज के समाज में इन्फॉर्मेशन और कम्युनिकेशन मीडिया का महत्व तेजी से बढ़ा है। आज, हम देश और दुनिया भर में हो रही घटनाओं के बारे में ज्यादातर जानकारी अलग-अलग न्यूज मीडिया आउटलेट से लेते हैं। इन अलग-अलग चैनलों के जरिए–चाहे वह अखबार हों, टेलीविजन, रेडियो, इंटरनेट, या सोशल मीडिया–दुनिया भर की खबरें सीधे हमारे घरों तक पहुँचती हैं। न्यूज ऑर्गनाइजेशन में काम करने वाले जर्नलिस्ट लोकल और ग्लोबल लेवल पर होने वाली घटनाओं को न्यूज रिपोर्ट में बदलते हैं और हम तक पहुँचाते हैं। ऐसा करने के लिए, वे रोजाना जानकारी इकट्ठा करते हैं, उसे न्यूज फॉर्मेट में ढालते हैं और लोगों के सामने पेश करते हैं। इस पूरे प्रोसेस को पत्रकारिता कहते हैं। कोई भी जानकारी जो किसी व्यक्ति, समाज, देश या पूरी दुनिया पर असर डालती है, वह न्यूज होती है। दूसरे शब्दों में, किसी खास घटना पर रिपोर्ट, डेफिनिशन के हिसाब से, न्यूज है। या, जैसा कि अक्सर कहा जाता है, न्यूज जल्दबाजी में लिखा गया इतिहास है। हिंदी शब्द *पत्रकारिता* इंग्लिश शब्द पत्रकारिता का सीधा ट्रांसलेशन है। मतलब के नजरिए से, पत्रकारिता शब्द जर्नल से बना है, जिसका मतलब है रोज का रिकार्ड, डायरी, या डेबुक–असल में, रोजाना की एक्टिविटीज का डिटेल्ड अकाउंट वाला डॉक्यूमेंट। सिर्फ. एंटरटेनमेंट के अलावा, ये मीडिया हमें बहुत सारी जानकारी से जान-पहचान कराते हैं। इसके अलावा, एडवरटाइज़िंग ने हमें कंज्यूमर कल्चर में अच्छे से जोड़ दिया है। कुल मिलाकर, पत्रकारिता के अलग-अलग मीडियम–जैसे अखबार, मैगजीन, रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट और सोशल मीडिया–ने लोगों से लेकर ग्रुप तक और देशों से लेकर पूरी दुनिया तक, सबको एक साथ जोड़ दिया है। इसलिए, आज पत्रकारिता में नेशनल लेवल पर आइडिया, इकोनॉमिक्स, पॉलिटिक्स और यहाँ तक कि कल्चर को भी प्रभावित करने की काबिलियत है। अपनी रोजमर्रा की ज़िंदगी के बारे में सोचने के लिए थोड़ा समय निकालें। एक ही मोहल्ले में रहने वाले दो लोग रोज एक-दूसरे से मिल सकते हैं–शायद बाजार में, सड़क पर चलते हुए, या एक-दूसरे के घर पर। जब वे बातचीत करते हैं, तो आमतौर पर उनका पहला सवाल क्या होता है? उनका पहला सवाल हमेशा यही होता है: हालात कैसे हैं? या आप कैसे हैं? या क्या खबर है? हालाँकि ऐसे आम, रोजमर्रा के सवालों में कुछ खास खास नहीं लग सकता है, लेकिन एक पल सोचने पर एक गहरा मतलब पता चलता है: आज, जर्नल शब्द मैगजीन, अखबार और डेली डेलीज के लिए एक निशानी के तौर पर इस्तेमाल होने लगा है। ह्यपत्रकारिताह्न–यानी, *पत्रकारिता*–अखबारों और मैगजीन से जुड़े एक प्रोफेशन को दिखाता है, जिसमें न्यूज इकट्ठा करना, लिखना, एडिट करना, दिखाना और बांटना शामिल है। आज के जमाने में, पत्रकारिता कई मीडियम जैसे अखबार, मैगजीन, रेडियो, टेलीविजन, वेब पत्रकारिता, सोशल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल करने के लिए विकसित हुई है। हिंदी में पत्रकारिता का मतलब असल में यही है। इस कॉन्सेप्ट को *ह्यपत्रह्न* (लेटर/पेपर) से *ह्यपत्रकारह्न* (पत्रकार), और आखिर में *ह्यपत्रकारिताह्न* (पत्रकारिता) तक के विकास को देखकर समझा जा सकता है। *बृहत हिंदी शब्दकोष* (कॉम्प्रिहेंसिव हिंदी) के अनुसार (हिंदी शब्दकोश), *ह्यपत्रह्न* का अर्थ है कोई चिट्ठी या कागज का पन्ना–विशेष रूप से, ऐसा कागज जिस पर कुछ लिखा या छापा गया हो; कोई कागज या धातु की प्लेट जिस पर किसी लेन-देन से जुड़ा कोई प्रामाणिक लेख (जैसे कि दान-पत्र या ताम्र-पत्र अनुदान) अंकित हो; कोई दस्तावेजी रिकॉर्ड जो किसी लेन-देन या घटना के प्रमाण के रूप में काम करे (जैसे कि पट्टा या कानूनी विलेख); या, अंत में, कोई वाहन, सवारी, या समाचार-पत्र। *ह्यपत्रकारह्न* का तात्पर्य किसी समाचार-पत्र के संपादक या लेखक से है। और *ह्यपत्रकारिताह्न* का अर्थ है किसी पत्रकार का काम या पेशा–वह विषय-क्षेत्र जो समाचारों के विश्लेषण, संपादन और संकलन से संबंधित है। *ह्यबृहत शब्दकोशह्न* यह स्पष्ट करता है कि *ह्यपत्रह्न* का तात्पर्य किसी भी ऐसे कागज या माध्यम से है–चाहे वह लिखित हो या मुद्रित–जो प्रामाणिक हो और किसी विशिष्ट घटना के संबंध में दस्तावेजी प्रमाण के रूप में कार्य करता हो। *ह्यपत्रकारह्न* उस व्यक्ति को कहते हैं जो ऐसे कागज या दस्तावेज को लिखता या संपादित करता है। और *ह्यपत्रकारिताह्न* उस अकादमिक विषय-क्षेत्र को कहते हैं जो इस क्षेत्र के अध्ययन और विश्लेषण के लिए समर्पित है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि, इन सभी पारंपरिक माध्यमों में, संदेशों या सूचनाओं का प्रसार ऐतिहासिक रूप से एक-तरफा प्रक्रिया रही है। इस सूचना को प्राप्त करने वालों से मिलने वाली प्रतिक्रिया (फीडबैक) लगभग न के बराबर रही है। दूसरे शब्दों में, इन विभिन्न माध्यमों में, संचारक या प्रसारक आम तौर पर सूचना प्राप्त करने वालों के साथ दो-तरफा संवाद स्थापित करने में असमर्थ रहे हैं। संवाद का स्तर–पत्रों और इसी तरह के अन्य माध्यमों से प्राप्तकर्ताओं से मिलने वाली प्रतिक्रिया या जवाबों के रूप में–नगण्य रहा है। हालाँकि, हाल के वर्षों में, अत्याधुनिक जनसंचार तकनीकों के आगमन के साथ, दो-तरफा संवाद बनाए रखने की प्रथा ने जड़ पकड़ना शुरू कर दिया है। किसी भी विशिष्ट घटना के संबंध में... रिपोर्टिंग ही समाचार का रूप लेती है–ऐसी सूचना जो व्यक्तियों, समाज और समग्र रूप से दुनिया को प्रभावित करती है। चूंकि यह एक ऐसी कलात्मक सेवा है जिसके माध्यम से पत्रकार शब्दों और चित्रों का उपयोग करके समकालीन घटनाओं का दैनिक वृत्तांत तैयार करते हैं, इसलिए इसे, एक अर्थ में, ह्यदैनिक इतिहास-लेखनह्न के रूप में वर्णित किया जा सकता है। ऊपरी तौर पर, यह कार्य काफी सरल प्रतीत होता है; हालाँकि, वास्तविकता में, यह बिल्कुल भी आसान नहीं है। अपनी पूर्ण स्वायत्तता के बावजूद, पत्रकारिता सामाजिक और नैतिक मूल्यों से अविभाज्य रूप से जुड़ी हुई है। उदाहरण के लिए, सांप्रदायिक दंगों की रिपोर्टिंग करते समय, एक पत्रकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि उसकी रिपोर्ट तनाव को भड़काए नहीं या आगे की हिंसा को उकसाए नहीं। वे दंगों के दौरान मारे गए या घायल हुए लोगों की सामुदायिक पहचान जाहिर करने से परहेज करते हैं। बलात्कार से जुड़े मामलों में, पत्रकार पीड़िता का नाम या तस्वीर प्रकाशित नहीं करते, जिससे उसकी सामाजिक गरिमा और प्रतिष्ठा किसी भी संभावित नुकसान से सुरक्षित रहती है। पत्रकारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे पेशेवर आचार संहिता का पालन करें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी रिपोर्टें–अनावश्यक रूप से या ठोस सबूतों के बिना–किसी की भी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा को नुकसान न पहुँचाएँ, और न ही समाज में अराजकता या अशांति के बीज बोएँ। सार्थक पत्रकारिता इसी बात में निहित है कि वह सामाजिक चिंताओं को सत्ता के गलियारों तक पहुँचाने की ज़िम्मेदारी निभाए, और साथ ही प्रशासन की लोक-कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं को समाज के सबसे निचले तबके तक प्रसारित करे। पत्रकारिता को अक्सर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। लोकतांत्रिक ढाँचे के भीतर यह महत्त्वपूर्ण दर्जा उसे अपने-आप नहीं मिल गया; बल्कि, समाज ने ही उसे यह विशिष्ट सम्मान प्रदान किया, क्योंकि उसने पत्रकारिता की सामाजिक ज़िम्मेदारियों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता के गहरे महत्त्व को पहचाना। लोकतंत्र तभी वास्तव में मजबूत हो सकता है, जब पत्रकारिता इन सामाजिक दायित्वों के संबंध में अपनी सार्थक भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाए। वास्तव में, पत्रकारिता का मूल उद्देश्य प्रशासन और समाज के बीच एक महत्त्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करना होना चाहिए।

संजय गोस्वामी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कलम की चेतना से डिजिटल युग तक हिन्दी पत्रकारिता की गौरव गाथा

- राष्ट्र निर्माण,जनजागरण और लोकतंत्र की आत्मा बनी हिन्दी पत्रकारिता की ऐतिहासिक यात्रा
- हिन्दी पत्रकारिता दिवस के विशेष

ह्लखींचो न कमानों को, न तलवार निकालो,जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।ह्वअकबर इलाहाबादी की यह प्रसिद्ध पंक्ति केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि भारतीय पत्रकारिता की आत्मा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस उस चेतना,संघर्ष और वैचारिक शक्ति का प्रतीक है जिसने भारत के जनमानस को जागृत किया, स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया और लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया।भारत की आत्मा उसकी भाषाओं में बसती है और उन भाषाओं की चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम पत्रकारिता रही है।हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों का संसार नहीं, बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता,राष्ट्रीय स्वाभिमान और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीवंत धारा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक तिथि नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण है जिसमें कलम ने सत्ता से प्रश्न पूछे,समाज को दिशा दी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।30 मई 1826 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है,जब पंडित युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिन्दी के प्रथम समाचार पत्र ह्लउदन्त मार्तण्डह्व का प्रकाशन प्रारंभ किया। उस समय अंग्रेजी शासन का दौर था।संसाधनों का अभाव, आर्थिक कठिनाइयां और हिन्दी भाषियों तक समाचार पहुंचाने की सीमित व्यवस्था जैसी अनेक बाधाएं थीं,लेकिन राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण इतना प्रबल था कि विपरीत परिस्थितियों में भी हिन्दी पत्रकारिता का दीप प्रज्वलित हुआ। यही दीप आगे चलकर जनचेतना की मशाल बन गया।

हिन्दी पत्रकारिता की प्रारंभिक यात्रा संघर्षों से भरी रही।आर्थिक संकट,सरकारी उपेक्षा और तकनीकी अभाव के बावजूद हिन्दी समाचार पत्रों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। ह्लबनारस अखबारह्व,ह्लहिन्दी प्रदीपह्व,ह्लकवि वचन सुधाह्व, ह्लभारत मित्रह्व, ह्लसरस्वतीह्व और ह्लप्रतापह्व जैसे पत्रों ने राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। उस समय पत्रकारिता व्यवसाय नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम थी।पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठाते थे और समाज में शिक्षा, स्वाभिमान तथा स्वतंत्रता की भावना का संचार करते थे।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक,गणेश शंकर विद्यार्थी,बाबूराव विष्णु पराड़कर, माखनलाल चतुवेर्दी और महात्मा गांधी जैसे महान पत्रकारों एवं विचारकों ने अपनी लेखनी को राष्ट्रहित के लिए समर्पित कर दिया। गणेश शंकर विद्यार्थी का ह्लप्रतापह्व केवल समाचार पत्र नहीं था,बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की आवाज था।बाबूराव विष्णु पराड़कर ने हिन्दी पत्रकारिता को वैचारिक गंभीरता और सामाजिक उत्तरदायित्व प्रदान किया।महात्मा गाँधी ने पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम माना और सत्य,नैतिकता तथा जनहित को पत्रकारिता का मूल आधार बनाया।उस दौर की पत्रकारिता मिशन की पत्रकारिता थी।पत्रकार सत्ता के गलियारों में नहीं,बल्कि जनता के बीच खड़े दिखाई देते थे।लेखनी जेल गई,अखबार बंद हुए,मुकदमे चले, लेकिन कलम झुकी नहीं।

ह्लसत्य लिखना यदि अपराध है,
तो यह अपराध बार-बार होगा।ह्व

यह भावना उस समय की पत्रकारिता की पहचान थी।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण में नई भूमिका निभाई।गाँव,गरीब, किसान,मजदूर,श्रमिक और आम नागरिक की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।रेडियो, दूरदर्शन और बाद में उपग्रह चैनलों के आगमन ने पत्रकारिता के स्वरूप को व्यापक बनाया।हिन्दी समाचार पत्रों का प्रसार गांवों तक पहुंचा और हिन्दी भाषा देश की सबसे प्रभावशाली मीडिया भाषा बनकर उभरी।हिन्दी पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति उसकी भाषा और जनसरोकार रहे हैं।हिन्दी ने उन लोगों की आवाज को शब्द दिए, जिनकी पीड़ा अक्सर सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंच पाती थी। यही कारण है कि हिन्दी पत्रकारिता जनमानस से जुड़ी पत्रकारिता बनी।

समय के साथ पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदला। प्रिंट मीडिया से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अब डिजिटल मीडिया के युग में सूचना की गति अभूतपूर्व हो गई है।आज मोबाइल पत्रकारिता, डिजिटल न्यूज पोर्टल,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म,पाडकास्ट, यूट्यूब चैनल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों ने समाचारों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब समाचार केवल अखबार के पन्नों तक सीमित नहीं,बल्कि कुछ सेकेंड में देश-दुनिया तक पहुंच जाते हैं।करोड़ों लोग मोबाइल स्क्रीन पर हिन्दी समाचार पढ़ते, सुनते और देखते हैं।आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र बन रहा है और हिन्दी दुनिया की तेजी से बढ़ती भाषाओं में शामिल है।छोटे शहरों और गाँवों से निकल रहे युवा डिजिटल पत्रकारिता में नई पहचान बना रहे हैं। इंटरनेट और तकनीक ने पत्रकारिता को महानगरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गांवों तक पहुँचा दिया है।डिजिटल क्रांति के इस दौर में पत्रकारिता के सामने गंभीर चुनौतियां भी खड़ी हुई हैं।आज पत्रकारिता का सबसे बड़ा संकट ह्लविश्वसनीयताह्व का है।फेक न्यूज,आधी-अधूरी सूचनाएं, टीआरपी की अंधी दौड़,सनसनी खेज प्रस्तुति और एजेंडा आधारित खबरों ने पत्रकारिता की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं।कभी मिशन मानी जाने वाली पत्रकारिता का एक बड़ा हिस्सा आज बाजारवाद और कॉरपोरेट दबावों के बीच संघर्ष करता दिखाई देता है।ह्लपहले खबरों में तथ्य होते थे,अब तथ्यों में खबर खोजी जाती है।ह्वयह कटु सत्य वर्तमान मीडिया परिवेश की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है।डिजिटल युग में सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि तेजी की प्रतिस्पर्धा में सत्य पीछे छूटता जा रहा है।ह्लसबसे पहलेह्व दिखाने की होड़ में ह्लसबसे सहीह्व दिखाने का दायित्व कमजोर पड़ रहा है। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच तो दिया है, लेकिन बिना पुष्टि की सूचनाओं ने समाज में भ्रम और अविश्वास का वातावरण भी पैदा किया है।पत्रकारिता यदि केवल शोर बनकर रह जाएगी,तो समाज का विश्वास टूटेगा।लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका प्रहरी की होती है,प्रचारक की नहीं।पत्रकारिता का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं,बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है।इन चुनौतियों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल दिखाई देता है। भविष्य मे आने वाला समय ह्लभाषाई पत्रकारिताह्व का होगा। भारत की आत्मा भारतीय भाषाओं में बसती है और हिन्दी पत्रकारिता उसी आत्मा की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक),डेटा पत्रकारिता और तकनीकी नवाचार समाचारों की प्रस्तुति को बदलेंगे, लेकिन पत्रकारिता की वास्तविक आत्मा वही रहेगी।पत्रकारिता का भविष्य तकनीक से नहीं,उसकी नीयत से तय होगा। मशीनें खबर लिख सकती हैं, लेकिन समाज की पीड़ा को महसूस करने का सामर्थ्य केवल संवेदन शील पत्रकार के पास होता है।

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

व्यवहार निभाना सीख जाएँ तो जीवन सुखमय बन जाए

मानव जीवन में व्यवहार का अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान है, क्योंकि व्यवहार ही जीवन का सबसे बड़ा आधार है। यदि मनुष्य व्यावहारिक नहीं है, तो उसका जीवन क्रूर और हिंसक पशु से भी बदतर हो जाता है। आधुनिक विज्ञान और भौतिक सुख सुविधाओं के इस युग में मनुष्य ने विलासिता की लगभग हर वस्तु प्राप्त कर ली है, किन्तु इसके बावजूद वह अपने जीवन से संतुष्ट और प्रसन्न दिखाई नहीं देता। इसका सबसे बड़ा कारण मनुष्य के व्यवहार में आया परिवर्तन और उसका निरंतर अव्यावहारिक होते जाना है। आज दुनिया का हर देश विकास और समृद्धि की राह पर आगे बढ़ रहा है। अमीरी का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन विडम्बना यह है कि जैसे जैसे धन संपत्ति बढ़ रही है, वैसे वैसे मनुष्य का जीवन अधिक एकाकी और दुखमय होता जा रहा है। अमीरी और गरीबी हर युग का हिस्सा रहे हैं, किन्तु सुख केवल अमीरी में ही बसता है, यह सत्य नहीं है। गरीबी कठिन अवश्य होती है, लेकिन वहाँ अपनत्व, आत्मीयता और प्रेम का ऐसा वातावरण होता है कि राजमहलों में रहने वाले लोग भी उस स्नेह के लिए तरसते दिखाई देते हैं।

आज गाड़ी, बंगले, बैंक बैलेंस और अपार धन-दौलत से भरी जिंदगी के बावजूद मनुष्य में जिस चीज की सबसे अधिक कमी दिखाई दे रही है, वह है व्यवहार। भारत सहित पूरे विश्व में परिवारों के विघटन का सबसे बड़ा कारण बदलता हुआ व्यवहार माना जा रहा है। विडम्बना देखिए, एक पिता अपने बच्चों को पाल-पोसकर, उन्हें शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाकर इस आशा से उनका घर बसाता है कि उसका अंतिम समय परिवार के बीच सुखपूर्वक बीतेगा, लेकिन आज अनेक स्थानों पर चार-चार बेटे मिलकर भी अपने वृद्ध माता-पिता को संभालने में असमर्थ दिखाई देते हैं। आखिर बच्चों में अपने ही माता-पिता के प्रति यह अव्यावहारिकता आई कहाँ से? यही कारण है कि आज अनेक बुजुर्ग अपने ही घरों में उपेक्षित और अकेला जीवन जीने को विवश हैं या फिर वृद्धाश्रमों का सहारा लेने पर मजबूर हो रहे हैं। हमारे देश में संयुक्त परिवारों का तेजी से विघटन हो रहा है। आपसी संवाद समाप्त होते जा रहे हैं और अपने ही लोग एक-दूसरे को बोझ या शत्रु समझने लगे हैं। ह्लहम दो, हमारे दोह्व की सोच ने परिवारों को सीमित तो किया, लेकिन रिश्तों की गर्माहट भी धीरे-धीरे समाप्त कर दी।

सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि माता पिता अपने बच्चों को विलासिता की हर वस्तु तो दे रहे हैं, लेकिन व्यवहार निभाने का संस्कार नहीं दे पा रहे हैं। ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व और ह्लअतिथि देवो भवःह्व की परम्परा निभाने वाले भारत में कभी एक ही छत के नीचे कई पीढ़ियाँ साथ रहती थीं। एक ही चूल्हे की रोटी सब मिलकर खाते थे और घर के बड़े-बुजुर्ग बच्चों को आदर, संस्कार, धैर्य और व्यवहार का पाठ पढ़ाते थे। उस समय घर भले छोटे और कच्चे होते थे, लेकिन उनमें रहने वालों के दिल बहुत बड़े और मजबूत होते थे। आज ऐसे परिवार बहुत कम बचे हैं जहाँ सामूहिकता और आत्मीयता का वातावरण दिखाई देता हो। जहाँ आज भी संयुक्त परिवार की परम्परा जीवित है, वहाँ बच्चों में संस्कार, मयार्दा और पारिवारिक प्रेम स्पष्ट दिखाई देता है। इसके विपरीत आज अनेक बच्चे विलासिता और एकाकी जीवन में पल-बढ़कर अपने ही माता पिता के विरोधी होते जा रहे हैं। जब घर के बड़े लोगों के बीच ही व्यवहार सामान्य नहीं रहेगा, तो बच्चों से अच्छे व्यवहार की अपेक्षा करना भी व्यर्थ है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे घर में देखते और सुनते हैं। यदि माता-पिता अपने ही परिवार और बुजुर्गों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ी भी उनसे वैसा ही व्यवहार करेगी। केवल महँगी शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं और अपार धन-संपत्ति बच्चों को संस्कारी नहीं बना सकतीं। बच्चों को व्यवहार, संवेदनशीलता और रिश्तों का महत्व घर से ही सीखने को मिलता है। आज स्कूल और कॉलेज उच्च स्तरीय तकनीकी शिक्षा तो दे सकते हैं, लेकिन जीवन को सुखमय बनाने वाली व्यवहारिक शिक्षा केवल परिवार ही दे सकता है। दुर्भाग्य यह है कि हम बच्चों को ऊँची डिग्रियाँ तो दिला रहे हैं, किन्तु उन्हें व्यवहार, धैर्य, त्याग और रिश्तों को निभाने का पाठ नहीं पढ़ा पा रहे हैं। परिणामस्वरूप नई पीढ़ी में अपनों के प्रति नकारात्मकता बढ़ती जा रही है। आज देश में हजारों ऐसे लोग हैं जिनके पास अपार धन-दौलत, गाड़ी, बंगला और बैंक बैलेंस तो है, लेकिन उनसे आत्मीयता से बात करने वाला अपना कोई नहीं है। पैसा क्षणिक सुख दे सकता है, लेकिन व्यवहार जीवन भर हर परिस्थिति में साथ निभाता है। व्यवहार ही मनुष्य को समाज और परिवार से जोड़कर रखता है। आज युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति, अपराध, पारिवारिक विद्रोह और आत्मघाती कदमों के पीछे कहीं न कहीं संस्कारों और व्यवहार की कमी भी जिम्मेदार है। वैवाहिक जीवन में रिश्तों का जल्दी टूट जाना भी इसी का परिणाम है। निभाने वाला व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी रूखी-सूखी खाकर झोपड़ी में भी हर परिस्थिति में संबंध निभा लेता है, लेकिन जिसे व्यवहार निभाना नहीं आता, उसे राजमहल में भी दुख ही दिखाई देता है। आज मनुष्य और नई पीढ़ी के बच्चों को सबसे अधिक आवश्यकता व्यवहार, संस्कार और धैर्य की है, और यह शिक्षा दुनिया की किसी भी पाठशाला से अधिक घर में मिलती है। यदि हम जीवन की परेशानियों, एकाकीपन और तनाव से मुक्त होकर सुखमय जीवन जीना चाहते हैं, तो हमें अपने व्यवहार में परिवर्तन लाना होगा। घर-परिवार और आसपास रहने वाले प्रत्येक छोटे-बड़े व्यक्ति के साथ समानता, सम्मान और आत्मीयता से व्यवहार करना सीखना होगा तथा अपने बच्चों को भी यही शिक्षा देनी होगी।

अरविंद रावल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दैनिक पंचांग

30 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृष में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	मेष में
बुध	मिथुन में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मिथुन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	06.22 बजे से
कर्क	08.36 बजे से
सिंह	10.52 बजे से
कन्या	13.04 बजे से
तुला	15.14 बजे से
वृश्चिक	17.29 ब.से
धनु	19.45 बजे से
मकर	21.50 बजे से
कुंभ	23.37 बजे से
मीन	01.09 बजे से
मेष	02.40 बजे से
वृष	04.20 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 150 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 11.58 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 13.21 बजे को समाप्त।
योग शिव अहोरात्र।
करण वणिज 11.58 बजे तदनन्तर विष्टि 01.06 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 13.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872725
जूलियन दिन 2461190.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 13
विशेष पूर्णिमा व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7527

★★★✯☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7526 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

संक्षिप्त खबरें

भीषण गर्मी में स्वच्छता कर्मियों के समर्थन को आगे आएं नागरिक : सीआर पाटिल

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने भीषण गर्मी और लू के बीच स्वच्छता कर्मियों के समर्थन में जनभागीदारी का आह्वान करते हुए नागरिकों से उनके प्रति संवेदनशीलता, सम्मान और सहयोग का भाव रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ह्लपानी, छांव और सम्मानह्व जैसी छोटी-छोटी पहल भी स्वच्छता कर्मियों के लिए बड़ा सहारा बन सकती हैं।

केंद्रीय मंत्री पाटिल ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी के बावजूद स्वच्छता कर्मी गांवों, गलियों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। तेज धूप और कठिन परिस्थितियों में भी उनका समर्पण और सेवा भावना प्रेरणादायक है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी देशवासियों से अपील की है कि इन कठिन दिनों में पूरी संवेदनशीलता और करुणा के साथ एक-दूसरे का ध्यान रखें। इसी संदेश को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि यदि आसपास कोई स्वच्छता कर्मी कार्य कर रहा हो तो उन्हें पीने का पानी उपलब्ध कराएं, कुछ समय छांव में विश्राम के लिए प्रेरित करें और उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार करें।

पाटिल ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार या किसी एक कर्मी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की ओर से भी नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्वच्छता सेवा देने वाले कर्मियों के लिए पानी, छांव और मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि मानवता, करुणा और संवेदनशीलता के साथ स्वच्छता कर्मियों का सहयोग करके स्वच्छ, स्वस्थ और संवेदनशील भारत के निर्माण में सहभागी बना जा सकता है।

तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर वसूली करने के मामले में पुजारी समेत चार लोग निलंबित

तिरुचेंदूर, (एजेंसी) : तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले में स्थित प्रसिद्ध

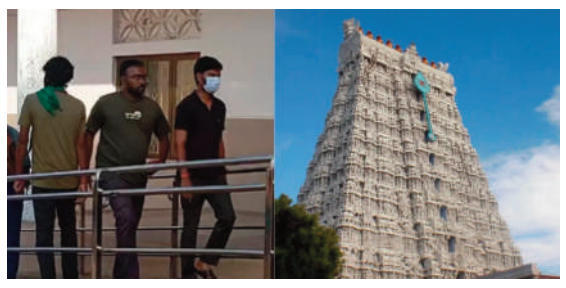

तिरुचेंदूर सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर श्रद्धालुओं से अवैध वसूली का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री एस. रमेश से पैसे लेने के आरोप में एक पुजारी समेत चार लोगों को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही संबंधित पुजारी को अगले आदेश तक मंदिर सेवा से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

दरअसल, मंदिर में वीआईपी दर्शन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से अवैध वसूली की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। आरोप था कि कुछ पुजारी, सुरक्षाकर्मी और कर्मचारी श्रद्धालुओं से मोटी रकम लेकर उन्हें विशेष मार्ग से शीघ्र दर्शन करा रहे थे। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री एस. रमेश ने स्वयं जांच करने का निर्णय लिया।मंत्री रमेश शुक्रवार सुबह आम श्रद्धालु की तरह मंदिर पहुंचे और 100 रुपये शुल्क वाली सामान्य दर्शन कतार में खड़े हो गए। इसी दौरान उन्होंने वहां मौजूद पुजारी अय्यप्पन से जल्दी दर्शन कराने की बात कही। आरोप है कि पुजारी ने वीआईपी दर्शन के लिए 4,000 रुपये की मांग की और कहा कि पैसे देने पर उन्हें विशेष प्रवेश मार्ग से भगवान मुरुगन के दर्शन कराए जाएंगे।जांच के तहत मंत्री रमेश ने गूगल-पे (जीपे) के माध्यम से 4,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए। भुगतान मिलते ही पुजारी को पता चला कि जिनसे उसने पैसे लिए हैं, वे स्वयं विभागीय मंत्री हैं।

वाइस एडमिरल अजय कोचर बने नौसेना के 48वें उप प्रमुख, कार्यभार संभाला

ऑपरेशन सिंदूर में आक्रामक फॉरवर्ड तैनाती लागू करने में निभाई थी अहम भूमिका

नई दिल्ली, (एजेंसी) : ऑपरेशन सिंदूर के रणनीतिकार रहे वाइस एडमिरल अजय कोचर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में नौसेना स्टाफ के नए वाइस चीफ का पदभार संभाल लिया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत नौसेना की महत्वपूर्ण संपत्तियों की आक्रामक फॉरवर्ड तैनाती को लागू करने में अहम भूमिका निभाई थी। वाइस एडमिरल कोचर ने वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन की जगह ली है, जिन्हें पश्चिमी नौसेना कमान का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है। वाइस एडमिरल ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद साउथ ब्लॉक में उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

वाइस एडमिरल कोचर ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान नौसेना की उच्च-स्तरीय युद्ध-तैयारी का नेतृत्व किया था। वह भारतीय नौसेना के 48वें वाइस चीफ के रूप में कार्यभार संभाला। वे अपने साथ नौसेना मुख्यालय में अग्रिम मोर्चे का व्यापक अनुभव लेकर आए हैं। नौसेना के दूसरे सबसे बड़े अधिकारी के तौर पर कमान संभालने से पहले उन्होंने अंडमान और निकोबार कमांड के कमांडर-इन-चीफ के तौर पर काम किया था। इससे पहले पश्चिमी नौसेना कमांड के चीफ ऑफ स्टाफ के तौर पर उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान नौसेना के अहम संसाधनों की आक्रामक अग्रिम तैनाती में अहम भूमिका निभाई थी।

पुणे स्थित प्रतिष्ठित नेशनल डिफेंस एकेडमी के छात्र रहे वाइस एडमिरल कोचर 01 जुलाई 1988 को भारतीय नौसेना में कमीशन हुए थे। गनरी और मिसाइल प्रणालियों के विशेषज्ञ के तौर पर उन्होंने अपने 37 वर्षों से अधिक के शानदार करियर में कमांड, ऑपरेशनल और स्टाफ से जुड़े कई तरह के दायित्व संभाले हैं। उन्होंने युद्धपोतों 'नाश-

क', 'विभूति' और 'कृपाण' की कमान संभाली है और फ्रिगेट 'त्रिकंड' के कमीशनिंग कमांडिंग ऑफिसर भी रहे हैं। उन्होंने विमानवाहक पोत आईएनएस 'विक्रमादित्य' की भी कमान संभाली है। उनके कार्यकाल के दौरान विमानवाहक पोत ने अपने एयर विंग के एकीकरण और उसे ऑपरेशनल बनाने का काम सफलतापूर्वक पूरा किया।

भारतीय नौसेना के अनुसार डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (वेलिंगटन), नेवल वॉर कॉलेज (गोवा) और रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज (यूके) से स्नातक वाइस एडमिरल ने नौसेना मुख्यालय में प्रमुख रणनीतिक और नीति-उन्मुख स्टाफ भूमिकाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वर्ष 2018 में फ्लैग रैंक पर पदोन्नति मिलने के बाद उन्होंने करियर प्रोजेक्ट्स के सहायक नियंत्रक और युद्धपोत उत्पादन व अधिग्रहण के सहायक नियंत्रक के रूप में कार्य किया। इसके बाद उन्होंने 2021 में पश्चिमी बेड़े की कमान संभाली और उसके बाद नेशनल डिफेंस एकेडमी के कमांडेंट के रूप में कार्य किया, जहां उन्होंने प्रशिक्षण मानकों और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया।

पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में चुनौतीपूर्ण सुरक्षा स्थिति के बीच फ्लैग ऑफिसर ने 25 मई 2024 को पश्चिमी नौसेना कमान के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्यभार संभाला। नौसेना ने बताया कि उन्होंने पश्चिमी समुद्री तट पर पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों के प्रति कमान की प्रतिक्रिया का नेतृत्व किया, जिसमें 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान उच्च गति वाले नौसैनिक अभियान भी शामिल थे। उनके नेतृत्व और सराहनीय सेवा के लिए उन्हें 2022 में 'अति विशिष्ट सेवा पदक' और 2026 में 'परम विशिष्ट सेवा पदक' से सम्मानित किया गया। अंडमान और निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ के रूप में अपनी भूमिका में उन्होंने ऑपरेशनल समन्वय में तथा तीनों सेनाओं के बीच एकीकरण और संयुक्तता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डीएलडब्ल्यू मजदूर संघ का भारतीय रेलवे में पदों को सरेंडर किये जाने के विरोध में प्रदर्शन एवं सभा

वाराणसी (एजेंसी) : भारतीय मजदूर संघ / भारतीय रेलवे मजदूर संघ, नई दिल्ली के आह्वान पर बरे का में डी एल डब्लू मजदूर संघ के नेतृत्व में भारतीय रेलवे में 2 प्रतिशत पदों को सरेंडर करने तथा बरे का में मनमाने तरीके से किए जा रहे आउटसोर्सिंग, ऑफ लोडिंग, ठेकेदारी प्रथा एवं पदों को सरेंडर किए जाने को लेकर दिनांक 22 मई 2026 से 29 मई 2026 तक आन्दोलन कार्यक्रम किए जाने के पश्चात आज दिनांक 29 मई 2026 को बरे का कारखाने के पश्चिमी द्वार पर धरना प्रदर्शन किया गया,इसके उपरांत प्रशासन भवन पहुंचकर अध्यक्ष/ मुख्य कार्यकारी अधिकारी रेलवे बोर्ड को संबोधित मांग पत्र महाप्रबंधक बरेका को सौंपा गया । सभा का संचालन करते हुए डी एल डब्लू मजदूर संघ के महामंत्री कृष्ण मोहन तिवारी ने कहा कि इटर एवं इण्टर के संघर्षों के परिणाम स्वरूप भारत सरकार ने कई सुधारात्मक कदम तो लिए है परंतु रेलवे बोर्ड द्वारा दिनांक 24-04-2026 को दिए गए आदेश से पूरे भारतीय रेलवे में 2 प्रतिशत तकनीकी / नान तकनीकी पदों के सरेंडर किए जाने का जो आदेश दिया है , यह हम सभी को मंजूर नहीं है। वहीं दूसरी तरफ बरे का में जिस प्रकार से

मनमाने तरीके से आऊट सोर्सिंग एवं ठेकेदारी प्रथा को बढ़ावा दिए जाने की रूपरेखा तैयार की जा रही है तथा टारगेट पूरा करने के बहाने कर्मचारियों से तीन-चार गुना काम लिया जा रहा है उससे कर्मचारियों के स्वास्थ पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा हैं तथा दुर्घटनाओं की संभावना भी प्रबल होती जा रही है जिसे संगठन किसीं भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। अगर समय रहते प्रशासन नहीं चेती तो लंबी लड़ाई की तैयारी की जाएगी,जिसके लिए बरे का प्रशासन पूर्ण रूप से जिम्मेदार होगा।

भारतीय मजदूर संघ के काशी प्रांत प्रमुख राकेश कुमार पांडेय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बरे का में आउटसोर्सिंग के खिलाफ लड़ाई के लिए सारे कर्मचारियों को एक मंच पर आना ही होगा, भारतीय मजदूर संघ उनके हर संघर्ष में उनके साथ खड़ा रहेगा। सभा में कर्मचारी परिषद सदस्य नवीन कुमार सिन्हा ने कहा जब तक सरकार अपना ये तुगलकी फरमान वापस नहीं लेती हम अपना संघर्ष जारी रखेंगे,धर्मेंद्र सिंह सदस्य कर्मचारी परिषद ने तत्काल आउट सोर्सिंग बंद करके लिफ्टर ड्राइवर की तत्काल बहाली की मांग की जिसमें सभा में प्रमुख रूप से सर्वश्री राधा बल्लभ त्रिपाठी बीआरएमएस, राम कृष्ण गुप्ता,नरेंद्र मिश्र, एस पी सिंह,मुकेश सिंह,श्याम मोहन तिवारी,नीरज पाल, बी डी दुबे,बैरागी यादव,अजय सिंह,के सी पाण्डेय,रंजीत,दीपक पटेल,रवि सिंह,भारत भूषण,अभिजीत,आनंद सिंह,सुधीर, राहुल शर्मा,जशवंत तिवारी,गौरव श्रीवास्तव,आनंद राय,संदीप,मनीष पांडेय,रितेश सिंह,अनिल पटेल,सतीश, ओ एन पाण्डेय,विनीत टुनटुन सिंह,मनी प्रकाश,अच्छे लाल गुप्ता,मनोज शर्मा,महेश ठाकुर के साथ सैकड़ों कर्मचारी मौजूद थे।

सभा की अध्यक्षता राहुल पाण्डेय संचालन कृष्ण मोहन तिवारी और धन्यवाद ज्ञापन नवीन सिन्हा ने किया ।

व्यवहार है तो व्यापार है विषय पर चार यार - द पॉडकास्ट का आयोजन

वाराणसी, (एजेंसी) : खरङ परिवार की डिजिटल पहल चार यार - द पॉडकास्ट के द्वितीय दिवस का आयोजन शुक्रवार को उत्साह और ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। 28 से 31 मई तक चलने वाली चार दिवसीय पॉडकास्ट श्रृंखला के दूसरे दिन का मुख्य विषय व्यवहार है तो व्यापार है रहा।

कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 9:30 बजे पूजा गौरव गुप्ता के आवास पर हुआ। सत्र में शामिल उद्यमियों ने अपने अनुभव, संघर्ष और सफलता की कहानियां साझा कीं। चर्चा के दौरान व्यवसाय में व्यवहार, विश्वास और संबंधों की भूमिका पर विस्तार से विचार रखे गए। वक्ताओं ने नए और उभरते उद्यमियों को सकारात्मक सोच, निरंतर प्रयास और व्यवहार कुशलता को सफलता की कुंजी बताया।

सत्र का मुख्य आकर्षण युवा उद्यमी तनिष्का गुप्ता रहीं। उन्होंने सीमित संसाधनों और छोटे से विचार के साथ अपने व्यवसाय की शुरूआत से लेकर सफलता तक के सफर को साझा किया। उनके अनुभवों ने युवाओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम में खरङ के संस्थापक संजीव अग्रवाल, पूजा गुप्ता, गौरव गुप्ता, राकेश राजपूत, शुभो घोष, सिद्धार्थ कपूर, समीर सरीन, युक्ति गुप्ता, सोनिया राय, चंद्रशेखर राय, विनय गिरि और तनिष्का गुप्ता उपस्थित रहे।

पूजा गुप्ता ने कहा कि चार यार के माध्यम से बनारस के युवाओं और उद्यमियों की प्रेरणादायक कहानियों को समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं संजीव अग्रवाल ने बताया कि चार दिवसीय इस मेगा पॉडकास्ट में करीब 50 विभिन्न स्थानों से रिकॉर्ड की गई चचाएँ यह संदेश देंगी कि व्यापार में व्यवहार सबसे बड़ी पूंजी है। यह पॉडकास्ट जल्द ही और खरङ के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगा।

डीजल-पेट्रोल की महंगाई से बढ़ा टैक्सी किराया, वाराणसी टूरिज्म एसोसिएशन ने किया नई दरों का ऐलान

2018 के बाद पहली बार बढ़े रेट, सरकार की वन टाइम टैक्स नीति का भी विरोध

वाराणसी(एजेंसी) : लगातार बढ़ती महंगाई और डीजल-पेट्रोल की कीमतों के चलते टैक्सी उद्योग आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। इसी मुद्दे को लेकर वाराणसी टूरिज्म एसोसिएशन की ओर से होटल त्रिदेव ग्रैंड में एक महत्वपूर्ण बैठक एवं प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें टैक्सी किराए में तत्काल प्रभाव से 2 रुपये प्रति किलोमीटर की वृद्धि करने का निर्णय लिया गया।

एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रणय रंजन सिंह ने बताया कि वर्ष 2018 के बाद पहली बार किराए में बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों में डीजल-पेट्रोल, वाहन रखरखाव और अन्य खर्चों में भारी वृद्धि हुई है, जबकि टैक्सी संचालक पुराने रेट पर ही काम कर रहे थे, जिससे पूरा उद्योग संकट के कगार पर पहुंच गया है।

नई दरों के अनुसार अब डिजायर 13 रुपये प्रति किमी, एर्टिगा 16 रुपये प्रति किमी, क्रिस्टा 20 रुपये प्रति किमी, टेम्पो

ट्रैवलर 30 रुपये प्रति किमी तथा अर्बनिया 35 रुपये प्रति किमी की दर से संचालित होंगी। हालांकि न्यूनतम रनिंग किलोमीटर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पहले की तरह लोकल यात्रा के लिए 200 किमी तथा आउटस्टेशन के लिए 250 किमी प्रतिदिन की बिलिंग लागू रहेगी।

बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा टैक्सी वाहनों पर लागू की गई वन टाइम टैक्स नीति का भी कड़ा विरोध किया गया।

एसोसिएशन का कहना है कि नई और पुरानी सभी टैक्सी गाड़ियों पर अचानक भारी टैक्स लागू कर दिया गया है, जिससे टैक्सी संचालकों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। 3 से 4 साल पुरानी गाड़ियों पर भी तत्काल 1 से 2 लाख रुपये तक टैक्स जमा करने की बाध्यता को अन्यायपूर्ण बताया गया। एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस नीति पर पुनर्विचार नहीं किया तो जल्द ही प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। बैठक में राम पांडेय, रौनक शर्मा, गौरव रुपानी, अरुण सिंह, सतीश सिंह, शानू राय, प्रकाश सिंह, बच्चा सिंह, राका यादव सहित सैकड़ों टैक्सी संचालक मौजूद रहे।

भट्ठों से जलवायु तक: ईंट भट्ठा मजदूरों की आवाज को जलवायु संवाद में शामिल करने की पहल

वाराणसी (एजेंसी) : ग्रामीण मीडिया संगठन चंबल मीडिया द्वारा बुनियाद पहल के तहत तपते भट्ठे, बदलता मौसमः जमीनी कहानियाँ और जलवायु संवादह्व कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य ईंट भट्ठा मजदूरों और उनके परिवारों के जीवन, संघर्ष और अनुभवों को जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चचाओं के केंद्र में लाना है।

आयोजकों के अनुसार जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक असर उन समुदायों पर पड़ रहा है, जो खुले वातावरण में कठिन श्रम करते हैं। बढ़ती गर्मी, अनियमित बारिश, लंबे समय तक गर्म माहौल में काम, पलायन, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और सामाजिक सुरक्षा के अभाव जैसी समस्याएं ईंट भट्ठा मजदूरों के जीवन को लगातार प्रभावित कर रही हैं। इसके बावजूद इन मुद्दों को मुख्यधारा की जलवायु रिपोर्टिंग में पर्याप्त स्थान नहीं मिल पाता।

चंबल मीडिया, जो खबर लहरिया का मातृ संगठन है, ग्रामीण पत्रकारिता, डिजिटल समावेशन और समुदाय आधारित कहानी कहने की दिशा में काम करता है। वहीं बुनियाद पहल उत्तर प्रदेश के ईंट भट्ठा मजदूरों की कामकाजी और सामाजिक

परिस्थितियों में सुधार के लिए समुदायों, सामाजिक संगठनों, शोधकताओं और मीडिया के साथ मिलकर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान ईंट भट्ठा मजदूरों और समुदायों के अनुभवों पर आधारित ह्लचार्टर ऑफ डिमांड्सह्व भी प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें सुरक्षित कार्य परिस्थितियां, श्रम अधिकारों का पालन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा तक पहुंच, प्रवासी मजदूरों के लिए सामाजिक सुरक्षा, पारदर्शी लाइसेंस व्यवस्था तथा पर्यावरण अनुकूल तकनीकों को बढ़ावा देने जैसी मांगें शामिल हैं।

इस पहल के तहत समुदाय आधारित कहानी कहने और मीडिया प्रशिक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया है। उड़ान फेलोशिप के माध्यम से ईंट भट्ठा और अन्य हाशिये के समुदायों के 15 युवाओं को मोबाइल पत्रकारिता और जमीनी रिपोर्टिंग का प्रशिक्षण दिया गया। उनकी रिपोर्टों में जलवायु परिवर्तन को रोजमर्रा के जीवन, रोजगार, पलायन, जाति और जेंडर से जुड़े अनुभवों के रूप में सामने लाया गया है।कार्यक्रम में ह्लक्लाइमेट विजुअल मैपह्व भी प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें समुदायों की यादों, अनुभवों और पर्यावरणीय बदलावों को दर्ज किया गया है।आयोजन के दौरान पत्रकारों, जलवायु विशेषज्ञों, शोधकताओं, फेलोज, ईंट भट्ठा मजदूरों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से एक राउंडटेबल चर्चा भी आयोजित होगी। इसमें श्रम परिस्थितियों, पलायन, जलवायु संकट, आर्थिक स्थिरता तथा जाति और जेंडर से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।आयोजकों का कहना है कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह सवाल उठाना है कि जलवायु परिवर्तन की कहानियां कौन बता रहा है और किन समुदायों की आवाजें अब भी पीछे छूट रही हैं।

30-05-2026 T.P. Page 8_Layout 1 30-05-2026 08:01 Page 1

हर सफर बन जाएगा यादगार

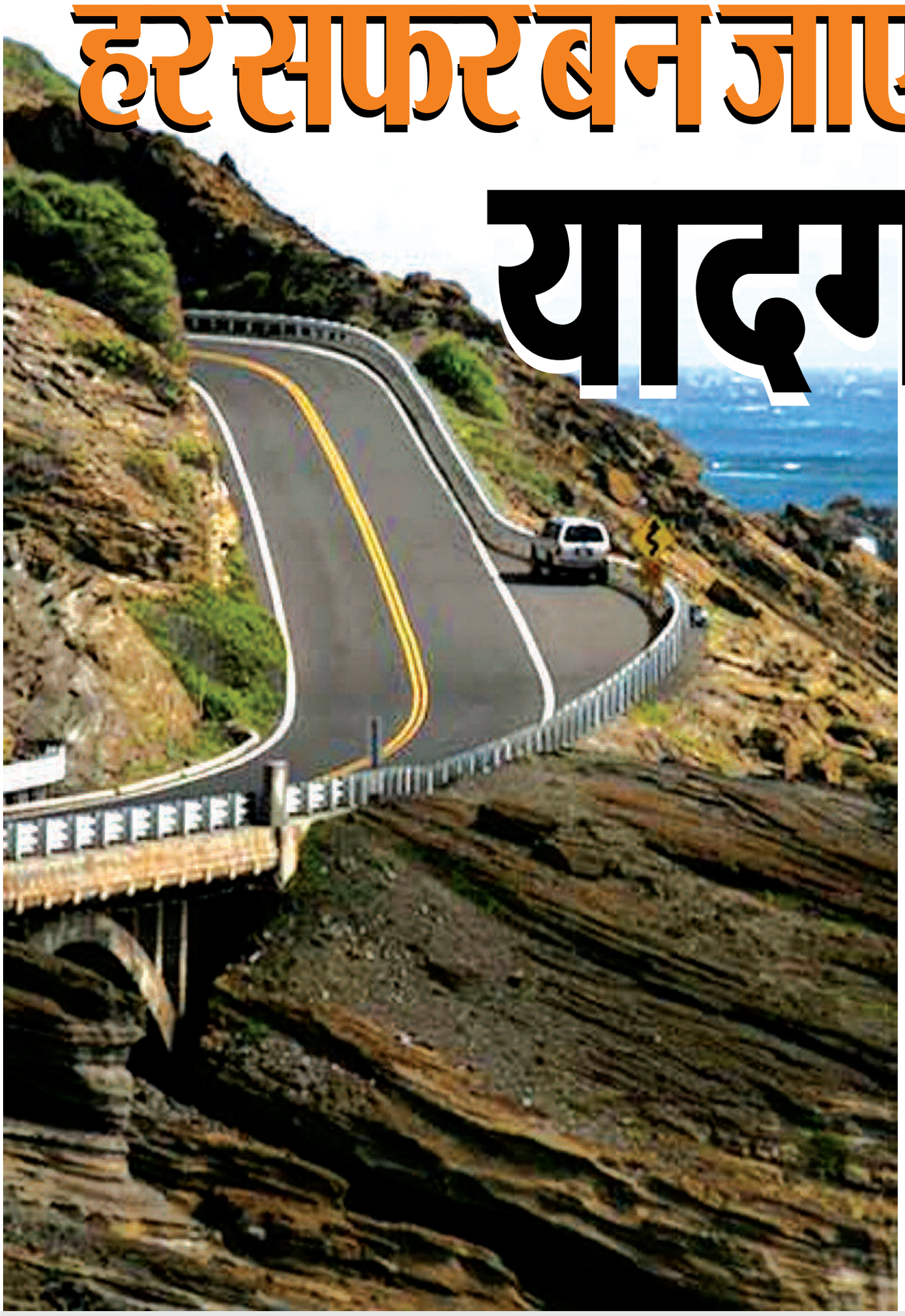

सफर करने के बारे में सबसे मजेदार बात है, हर कदम पर किसी नई खोज का रोमांच। फिर चाहे वह किसी बच्चे द्वारा ट्रेन की खिड़की से पहली बार खुले में ऊँटों को चरते देखने का रोमांच हो या फिर पहली-पहली बार किसी अजनबी देश में कदम रखने पर नजर आने वाली एक अलग दुनिया का रोमांच।

यूँ इंसान अपने घर, अपने जाने-पहचाने माहौल के सुरक्षा कवच में सबसे सहज महसूस करता है, लेकिन नएपन की लालसा भी उसका पीछा नहीं छोड़ती। कुछ नया देखने की लालसा ही उसे दुनिया घुमा लाती है।

कभी आदिमानव कुछ नया तलाशने के लिए एक जंगल से दूसरे जंगल जाता था। आज उसका वंशज महासागर की गहराइयों में गोता लगा चुका है और अंतरिक्ष के निर्वात अंधकार में चहल-कदमी कर चुका है। इन दो विपरीत छोरों के बीच आम मानव रोज कई प्रकार के छोटे-बड़े सफर करता रहता है।

जरूरी नहीं कि यात्रा कहीं दूर की हो, बोरिया-बिस्तर बाँधकर रेल, बस, जहाज या विमान से की जाए। अपने ही शहर में, कभी उन रास्तों-गलियों से निकलिए, जहाँ से आपका अब तक गुजरना नहीं हुआ है। कुछ नया दिखेगा, कोई नई खोज होगी। सोचने के नए आयाम खुलेंगे। कोई कह गया है कि सफर का उद्देश्य मंजिल पर पहुँचना नहीं, बल्कि मंजिल तक पहुँचने की प्रक्रिया का पूरा आनंद लेना होना चाहिए। जब हमारी निगाहें महज मंजिल पर टिकी होती हैं, तब रास्ते अक्सर अनदेखे रह जाते हैं... और कायनात का सारा कोलाहल, संसार का सारा स्पंदन, जिंदगी की तमाम रेलमपेल इन रास्तों पर ही तो बिखरी पड़ी है। इन्हें नहीं देखा तो सफर महज एक ठिकाना छोड़ दूसरे ठिकाने पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना भर हुआ, जबकि सफर मौका देता है कदम-कदम पर नए झरोखे से नया संसार देखने का, नए मित्र, नए गुरु पाने का, अनसोचे अनुभवों से गुजरकर नई जानकारी, नए ज्ञान के सागर में नहाने का। खैर, सच यह है कि लोग कई कारणों से सफर करते हैं।

कोई घर या दफ्तर के किसी कार्य विशेष के सिलसिले में एक स्थान से दूसरे स्थान जाता है, कोई छुट्टियों में घूमने जाने की औपचारिकता निभाने तो कोई तीर्थ करने। बहुत कम लोग सफर करने के लिए सफर पर निकलते हैं। ऐसे लोगों को न मंजिल पर पहुँचने की जल्दी होती है, न घर लौट आने की चिंता।

आप यह तय करके घर तो नहीं बैठ सकते कि कोई अच्छा अनुभव हो तो ही बाहर निकलूँ। जीवन के प्रवाह में छलाँग लगाने पर ही पता चलता है कि कब कौन-सा अनुभव अच्छा रहा और कब कौन-सा बुरा। छोटी-मोटी परेशानियाँ सफर का हिस्सा ही होती हैं। जब दुनिया को देखने, जानने निकले हैं तो इसके दोनों रूप देखने में ही तो यात्रा की परिपूर्णता होगी।

सर्दी के मौसम में आमतौर पर लोग जबर्दस्त ठंड से बचने के उपाय करते रहते हैं लेकिन इससे उलट इस मौसम का मजा भी उठाया जा सकता है। हमारे देश में ऐसे कई इलाके हैं जहाँ सर्दियों में सैलानी बर्फ का मजा उठाने के लिए जाना पसंद करते हैं।

सर्दियों का स्वागत करता
उत्तराखंड

बर्फ का मजा उठाने के लिए पहला नाम जो हमारे जेहन में आता है वह जम्मू-कश्मीर का है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सुदूर उत्तर-पूर्व का तवांग भी सर्दियों में बर्फ का मजा लेने का अच्छा ठिकाना है। बर्फ में मौज-मस्ती का मजा ही अलग है। इससे ऊर्जा भी भरपूर मिलती है और रिश्तों में गर्माहट भी आती है।

जाड़ों में मध्य हिमालय (1200 मीटर-4000 मीटर) स्थित उत्तराखंड के कई हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत हो जाते हैं। बर्फबारी में नहाया पहाड़ तो पर्यटकों को अपनी ओर चुंबक की तरह खींचता है। दिसंबर के दूसरे सप्ताह से लेकर फरवरी के मध्य तक उत्तराखंड के कई पर्यटक स्थलों पर बर्फ गिरती है।

अंग्रेजों के बसाए शहर नैनीताल और मसूरी तो के नजदीक होने तथा रेल स्टेशनों के बिलकुल पास होने के कारण पर्यटकों की पहली पसंद हैं। इन दोनों ही शहरों तक दिल्ली से सड़क से 7 से 10 घंटे में पहुँचा जा सकता है। मसूरी तथा नैनीताल में बर्फबारी की खबर लगते ही दिल्ली, गुड़गाँव, गाजियाबाद तथा उत्तर भारत के शहरों के पर्यटक इन पर्वतीय पर्यटक स्थलों की ओर भाग पड़ते हैं। नैनीताल में बर्फ के साथ खेलने के लिए पर्यटकों की पसंदीदा जगह तो ऐतिहासिक माल रोड ही है पर यदि माल रोड में पड़ी ऊपर स्नो व्यू, टिफिन टॉप से लेकर किलवरी मार्ग पर दूर हिमालय दर्शन तक जा सकते हैं। हिमालय दर्शन से हिमालय की चोटियों का विहंगम दृश्य दिखता है। क्रिसमस के आस-पास यदि बर्फबारी हो जाए तो पर्यटक नैनीताल में त्योहार और छुट्टियों का दोगुना आनंद लेते हैं।

राजधानी देहरादून के पास मसूरी में भी साल में 3-4 बार बर्फबारी हो जाती है। बर्फबारी के होते ही पर्यटकों का हुजूम मसूरी आ जाता है। इस भीड़ से मसूरी के नीचे किंगररेग तक के रास्ते जाम हो जाते हैं। मसूरी तथा नैनीताल और उसके आस-पास सभी बजट श्रेणी में पर्याप्त होटल उपलब्ध हैं। बर्फबारी का मजा लेने के लिए पर्यटक मसूरी के लाल टिब्बा, किनोग हिल, जॉर्ज एवरेस्ट, गन हिल तथा क्लाउड ऐंड स्थानों पर जाते हैं।

मसूरी से 32 किमी दूर स्थित नव पर्यटक स्थल धनौल्टी तक बर्फबारी के बीच सड़क के दोनों ओर बर्फ जम जाती है। इस मार्ग पर तब गाड़ी चलाने का आनंद दोगुना हो जाता है। चमोली जिले के जोशीमठ से 15 किमी दूर औली तो अब विश्व प्रसिद्ध स्कीइंग केंद्र तथा शीतकालीन रिजॉर्ट का रूप ले चुका है।

यहाँ 2010 के जनवरी-फरवरी में शीतकालीन सैफ खेलों का आयोजन होना है। औली में स्कीइंग के 7 के लिए एक-दो दिवसीय स्कीइंग करने की सुविधा गढ़वाल मंडल विकास निगम उपलब्ध कराता है। विद्यार्थियों के लिए तो रहने, खाने की सुविधा, उपकरणों, स्की लिफ्ट की उपलब्धता मय शिक्षक 5,500 रुपए में उपलब्ध है। पर्यटकों को बेशक एक या दो दिन स्की करने के लिए तथा हर सुविधा के लिए अलग भुगतान करना पड़ता है। रोप वे द्वारा औली पहुँच कर पर्यटक नई दुविधा में होता है।

सामने नंदा देवी सहित कई हिमाच्छादित चौटियों का दृश्य दिखता है। औली में 1,300 मीटर लंबा स्कीइंग ट्रैक उपलब्ध है, जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरता है। पर्यटकों की सुविधा के लिए 800 मीटर लंबी चियर लिफ्ट के अलावा स्कीयरों को ऊपर पहुँचाने के लिए दो स्की लिफ्ट उपलब्ध है।

कुल मिलाकर औली में कम दामों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्की रिजॉर्ट का मजा लिया जा सकता है इसलिए विदेशी पर्यटक भी अपने देशों में महँगे स्की रिजॉर्टों में जाने के बजाय औली आकर स्कीइंग करके पैसा बचाते हैं। उत्तराखंड के पर्यटन सचिव उत्पल कुमार सिंह बताते है कि शीतकालीन सैफ खेलों के आयोजन की तैयारियों के पूरा होने के साथ औली शीतकालीन खेलों के अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित हो जाएगा।

औली के अलावा उत्तराखंड में उत्तराकाशी जिले का दयारा बुग्याल, देहरादून में चकराता के पास मुंडाली, रूद्रप्रयाग जिले का चोफता तथा पिथौरगढ़ मुंस्यारी के पास खलिया टॉप स्कीइंग के शौकीनों के लिए पसंदीदा पर्यटक स्थल है। अंग्रेजों के समय के स्थापित पर्यटक स्थलों के अलावा उत्तराखंड में बर्फबारी का आनंद लेने के लिए अनगिनत स्थल है। इनमें से कई स्थल तो अभी पर्यटक मानचित्र पर आ भी नहीं पाए है। स्थली मुखवा में भी जाड़ों में अच्छी-